जीवन दर्शन

साधारण और असाधारण व्यक्ति के बीच का अंतर थोड़ा सा अतिरिक्त है यही अतिरिक्त उस व्यक्ति को असाधारण बनाता है -अज्ञात

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL
महानगर संस्करण
www.globalherald.news
सोमवार 31 मार्च, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 48 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

शूटिंग: शशांक और पूजा ने 50 मीटर प्रोन पोजिशन में यूपी...

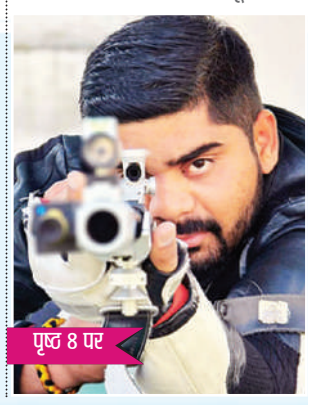

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

नवरात्रि पर माता वैष्णो देवी मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम, बढ़ाई गई सुरक्षा

रियासी: चैत्र नवरात्रि का उत्सव शुरू हो गया है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को भी यहां तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भवन के आधार शिविर और मार्ग पर अक्-सक्षम सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। शनिवार को 48,000 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए, जबकि रविवार को आधार शिविर से लेकर मंदिर तक लंबी कतारें देखी गईं। वहीं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा, मैं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर तीर्थयात्रियों को बधाई देता हूं। कटरा से भवन तक तीर्थयात्रियों में भारी उत्साह है।

ओशनिया महाद्वीप: टोंगा के पास 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोंगा। ओशनिया महाद्वीप में स्थित टोंगा के पास रविवार शाम 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद देश के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अब तक किसी नुकसान की सूचना नहीं मिली है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप मुख्य द्वीप से करीब 100 किमी (62 मील) उत्तर-पूर्व में आया। प्रशांत महासागर सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप के केंद्र से 300 किमी के दायरे में खतरनाक लहरें उठ सकती हैं। टोंगा एक द्वीप देश है, जिसमें 171 द्वीप शामिल हैं और यहां करीब 1 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से ज्यादातर मुख्य द्वीप टोंगाटापू पर बसते हैं। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से 3,500 किमी (2,000 मील) दूर स्थित है।

अक्षय तृतीया पर खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट

चारधाम यात्रा की शुरूआतउत्तराखंड में स्थित चारधामों में से दो प्रमुख धाम गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट इस साल 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे. इसके साथ ही, साल 2025 की चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा. गंगोत्री धाम के कपाट सुबह 10:30 बजे और यमुनोत्री धाम के कपाट शुभ मुहूर्त में खोले जाएंगे, जो 6 अप्रैल को यमुना जयंती के अवसर पर तय किया जाएगा. 29 अप्रैल को रवाना होगी देवी गंगा की उत्सव पालकीगंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल के अनुसार, देवी गंगा की उत्सव पालकी 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे अपने शीतकालीन प्रवास स्थल, मुखबा गांव से गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी.

मोदी बोले- आरएसएस अमर संस्कृति का वट वृक्ष:स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ

हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे

नागपुर ■

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

बतौर प्रधानमंत्री मोदी की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की। उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागतार ऊजार्वान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

भारत की आजादी...

मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जाग्रत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र में बांधा।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते के करीब पहुंचे

नई दिल्ली ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच, भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने इस सप्ताह नई दिल्ली में व्यापार मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें टैरिफ में कमी और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना शामिल है. भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि दोनों पक्षों ने आने वाले हफ्तों में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत क्षेत्रीय वार्ता आयोजित करने का भी फैसला किया है.

वाशिंगटन और नई दिल्ली का लक्ष्य सितंबर-अक्टूबरतक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पहली किस्त पर हस्ताक्षर करना है. उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से दोगुने से भी अधिक करके 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा है. 26-29 मार्च तक आयोजित वार्ता का नेतृत्व भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों और दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच की अध्यक्षता में एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने किया. भारत के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, चर्चा का सफल समापन भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को विस्तारित करने के प्रयासों में प्रगति को दशार्ता है, देशों में समृद्धि, सुरक्षा और नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके.

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से मरने वालों की संख्या 10 हजार कर सकती है पार

नेपीडा ■

म्यांमार और पड़ोसी देश थाईलैंड में शुक्रवार आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों को मिलकर 1000 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि अमेरिकी भूगर्भ एजेंसी ने 10 हजार से ज्यादा मौतों की आशंका जताई है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार के अधिकारियों ने बताया है कि विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या शनिवार सुबह बढ़कर 1000 हो गई है, जबकि 2300 लोग घायल हुए हैं। हालांकि बैंकॉक के अधिकारियों ने शुक्रवार को थाईलैंड में आए भूकंप में मरने वालों की संख्या अब कम कर दी है। थाईलैंड ने मरने वालों की संख्या को लेकर अपडेट रिपोर्ट दी है, जिसमें 6 लोगों की मौत की रिपोर्ट दी गई है। वहीं 22 लोगों को घायल और 101 लोगों को लापता बताया गया है। इससे पहले शुक्रवार को मरने वालों का आंकड़ा 10 था। हालांकि थाईलैंड की राजधानी को आपदा क्षेत्र घोषित किया गया है। जबकि म्यांमार की तानाशाह सेना ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल लागू कर दिया है।

हिमाचल के मणिकर्ण में लैंडस्लाइड, 5-6 कारें दबीं, 3 महिलाओं समेत 6 की मौत

कुल्लू ■

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थल मणिकर्ण में रविवार शाम एक दुखद घटना घटी. तेज तूफान के कारण गुरुद्वारे के पास पहाड़ी से एक बड़ा चीड़ का पेड़ गिर गया, जिससे सड़क पर खड़ी 5-6 कारें दब गईं. इस हादसे में 6 लोगों की मौत हुई, जिनमें 3 पर्यटक शामिल हैं.

पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे से 6 शव निकाले गए. मृतकों में एक ढाबा संचालक, तीन पर्यटक और एक स्थानीय ग्रामीण शामिल हैं. हादसा उस समय हुआ जब कुछ लोग बाजार में खरीदारी कर रहे थे और कुछ अपनी कारों में बैठे थे. अचानक आए तूफान में गिरा पेड़ और मलबा इन पर गिर गया.

सड़क बंद, लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

लैंडस्लाइड के बाद कुल्लू और मणिकर्ण को जोड़ने वाली सड़क बंद हो गई थी. पुलिस ने घायलों को तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा और सड़क को साफ करने के लिए प्रयास शुरू किए. करीब दो घंटे बाद सड़क को पुनः यातायात के लिए खोल दिया गया. हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है. उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं.

मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति के काफिले की कार में ब्लास्ट

मॉस्को ■

मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट हुआ है। यह धमाका खुफिया एजेंसी FSB के मुख्यालय के बाहर हुआ। यह एक लग्जरी लिमोजिन कार थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार के इंजन में आग लग गई थी और फिर अंदर फैल गई। हालांकि जिस वक्त ये हादसा हुआ, उस वक्त ये कार पुतिन के काफिले में शामिल नहीं थी और न ही पुतिन इस कार के आस-पास थे।

अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह हत्या की साजिश थी या सिर्फ एक हादसा। घटना के बाद पुतिन की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में चिंताएं बढ़ गई हैं। 26 मार्च को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया था कि जल्द पुतिन की मौत होगी। राष्ट्रपति पुतिन अक्सर इस लिमोजिन कार का इस्तेमाल करते रहते हैं। उन्होंने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को भी पिछले साल एक लग्जरी लिमोजिन कार गिफ्ट की थी। इसे रूस में बनाया जाता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेंलेंस्की ने 26 मार्च को पेरिस में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि जल्द ही पुतिन की मौत हो जाएगी और फिर सब कुछ (यूक्रेन जंग) खत्म हो जाएगा। यह एक फैक्ट है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- पुतिन जिंदगी भर सत्ता में बने रहना चाहते हैं।

बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल: 11 ए.सी कोच पटरी से उतरे, 1 की मौत

भुवनेश्वर ■

ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 ए.सी कोच पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हैं। मेडिकल और इमरजेंसी टीम मौके पर मौजूद है। कटक के डीएम दत्तात्रेय शिंदे ने मौत की पुष्टि की है।

घायलों को श्रीराम चंद्र भंज मेडिकल कॉलेज (एससीबीएमसीएच) रेफर किया गया है। इनकी हालत स्थिर है। भीषण गर्मी के कारण दुर्घटना के बाद कुछ यात्री बीमार भी पड़ गए। घटनास्थल पर ही हेल्थ कैंप में उनका इलाज किया गया। हादसा सुबह 11:54 बजे मंगुली पैसेंजर हॉल्ट से लगे निरगुंडी स्टेशन के पास हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह से तीन ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को कामाख्या पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेन शाम 5:05 बजे घटनास्थल से रवाना हो चुकी है। ओडिशा फायर सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीपीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया था- बेंगलुरु से असम के गुवाहाटी स्थित कामाख्या जा रही ट्रेन 12 बजे के आसपास दुर्घटनाग्रस्त हुई। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

चांद दिखा, ईद आज

मौलाना फरंगी बोले- सड़कों पर नमाज न पढ़ें

रमजान के मुकद्दस महीने के बाद हर मुसलमान को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार होता है, वह है ईद-उल-फितर। भारत में ईद की तारीख चांद दिखने पर तय होती है। लखनऊ ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने बताया कि 30 मार्च 2025 को चांद देखने की कोशिश की जाएगी। अगर चांद नजर आ गया, तो 31 मार्च को ईद मनाई जाएगी, वरना 1 अप्रैल को होगी। मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली, जो इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं, ने सभी मुसलमानों से अपील की है कि ईद की नमाज ईदगाह या मस्जिद में ही अदा करें और सड़कों पर नमाज पढ़ने से बचें।

बीजापुर और सुकमा में एक साथ 50 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर ■

बीजापुर और सुकमा में दो बड़ी मुठभेड़ों के बाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छत्तीसगढ़ यात्रा से कुछ घंटे पहले बीजापुर जिले में 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। नक्सलियों ने बीजापुर एसपी कार्यालय में पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में से 14 पर कुल 68 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

नक्सलियों ने अपने आत्मसमर्पण का कारण माओवादी विचारधारा को खोखला और अमानवीय बताया, इन नक्सलियों ने अपने आत्मसमर्पण का कारण माओवादी विचारधारा को खोखला और अमानवीय बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें आंदोलन के भीतर पनप रहे मतभेदों और प्रतिबंधित माओवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं द्वारा आदिवासियों का शोषण भी किया जा रहा था, जिसके कारण वे आत्मसमर्पण के रास्ते पर चलने को मजबूर हुए। नक्सलियों ने यह भी बताया कि वे अब इस अमानवीय विचारधारा से मुक्ति चाहते हैं और शांति से जीने की चाहत रखते हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों ने अपने हथियारों और अन्य सामान राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दिए।

व्यंग्य : वक्फ संपति को माफिया से बचाओ : धर्मगुरु की मोदी से मांग..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

'वक्फ' की संपति पर मोदी सरकार जो कानून ला रही है उसका विरोध करने वाले क्या सही अर्थ में गरीब मुसलमानों के हितैषी वोटों के लिए तुष्टिकरण वाले विपक्षी नेता या असल में मुस्लिम भूमाफिया नेता हैं जो हजारों एकड़ भूमि पर कब्जा कर अपना हित साधना चाहते हैं.. जवाब एक मुस्लिम धर्मगुरु के प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र से मिल जाता है कि जो भी विरोध कर रहे हैं उनकी सख्ती से जांच की जाए और देश के गरीब मुसलमानों को उनका हक दिलाया जाए..?

मोदी को पत्र लिख तुष्टिकरण व मुस्लिम माफिया नेताओं के होश उड़ाए धर्मगुरु ने..?

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर देशभर में मुस्लिम वोटों की राजनीति करने वाले तुष्टिकरण पसंद नेताओं के साथ ही भूमि पर कब्जा कर अपना हित साधने वाले मुस्लिम नेताओं का तीव्र विरोध देखने को मिल रहा है उनमें कई मौलाना भी हैं, लेकिन वे वाकई में गरीब मुसलमानों के हितैषी नहीं हैं और इसका प्रमाण अलीगढ़ के प्रख्यात मुस्लिम धर्मगुरु इफराहिम हुसैन ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर दे दिया है और साफ लिखा है कि इस विधेयक का विरोध करने वालों की जांच की जाए. उनका कहना है कि जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, उन्होंने लिखा कि अब तक वक्फ संपत्ति को भू-माफिया के कब्जे से मुक्त कराने और इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग क्यों नहीं कीगई.इफराहिम हुसैन ने अपने पत्र में जोर देकर कहा है कि वक्फ संपत्तियों को लेकर अब तक जो भी कार्य हुआ है, वह नाकाफी रहा है. उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या वक्फ संपत्तियां भू-माफियाओं के कब्जे में नहीं हैं? क्या इन संपत्तियों का लाभ जरूरतमंद मुस्लिम समाज को मिल पा रहा है? यदि नहीं तो इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए. मुस्लिम धर्मगुरु ने कहा कि यदि इन संपत्तियों का सही उपयोग किया जाए तो मुस्लिम समाज के गरीब, अनाथ और जरूरतमंद लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं.इसके अलावा, उन्होंने मुस्लिम समाज के नेताओं और संगठनों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय समाज के कल्याण के लिए काम करें. उन्होंने सरकार को एक स्वतंत्र समिति बनाने का सुझाव भी दिया जो यह निगरानी करे कि संपति का सही उपयोग हो रहा है या नहीं..? मुस्लिम धर्मगुरु के ऐसे पत्र ने निश्चित ही तुष्टिकरण वाले व भूमाफिया मुस्लिम नेताओं के होश उड़ाने का काम किया है और यह पत्र ओवेसी जैसे नेता जो अपने हितों के लिए मोदी सरकार को सहयोग देने वाले नीतीश कुमार एवं चंद्र बाबू नायडू व चिराग पासवान को भड़कायें तो भी इन नेताओं को ऐसे झांसे में नहीं आना चाहिए. देश के गरीब, वंचित मुसलमानों को भी अपने नाम राजनीति करने वाले स्वार्थी नेताओं से सावधान रहना होगा तभी उनका भला हो सकेगा, वैसे मोदी सरकार बहुमत के हिसाब से वक्फ सुधार कानून लाने में समर्थ है, लेकिन पार्टी के कुछ नेता चाहते हैं कि इस सत्र में जल्दबाजी ना कर बिहार, बंगाल के चुनाव बाद लाया जाए, ऐसे में देखना है सरकार क्या निर्णय लेती है, क्योंकि यह सत्र 4 अप्रैल तक ही है..?

डेथ ओवर्स में धीमी बैटिंग से हारी सीएसके :राजस्थान 6 रन से जीता, हसरंगा को 4 विकेट

गुवाहाटी ■

डेथ ओवर्स में खराब बैटिंग के कारण सीएसके को आईपीएल के 18वें सीजन में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। टीम को राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को गुवाहाटी में 6 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए। वहीं नीतीश राणा ने महज 36 गेंद पर 81 रन की पारी खेली। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी रॉयल्स ने 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। चेन्नई ने 15 ओवर में 122 रन बना लिए, आखिरी 5 ओवर में 61 रन चाहिए थे। अगले 3 ओवर में एमएस धोनी और रवींद्र जडेजा 22 रन ही बना सके। 12 गेंद पर 39 रन चाहिए थे, टीम 32 रन ही बना पाई। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी राजस्थान ने पहले ओवर में विकेट गंवा दिया। नीतीश नंबर-3 पर उतरे, उन्होंने तेज बैटिंग की और सीएसके के बॉलर्स पर दबाव बना दिया।

प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान... जिले में जगह-जगह आयोजित किये गये कार्यक्रम

तीन माह के अभियान में नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुँओं का होगा जीर्णोद्धार-सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान का आज शुभारंभ हुआ। पहले दिन आज जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिये जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये गये। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।

यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रारंभ किया गया है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। इस अभियान में जल स्त्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।

यहाँ हुये कार्यक्रम

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि अभियान के पहले दिन आज ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गयी। आज जिले के महू जनपद पंचायत के ग्राम जामबुजुर्ग में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तालाब निर्माण कार्य की शुरूआत की गयी। इसी तरह गाँव में वर्षा जल को सहजने के लिये बोल्डर चेकडेम के निर्माण भी प्रारंभ किये गये। इसी प्रकार रामपुरिया ग्राम में भी ग्रामीणो के सहयोग से चेकडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अन्य ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी प्रकार इंदौर जनपद के ग्राम झलारिया में तालाब की साफ-सफाई का काम हाथ में लिया गया। इसी जनपद पंचायत के ग्राम खुडैल खुर्द में भी तालाब की सफाई के कार्य की शुरूआत की गयी।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर

जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अमृत सरोवर 2.0 के तहत 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ 18 लाख रुपये व्यय होना संभावित है। अब तक 10 स्थलों का चयन हो चुका है, जबकि शेष का चयन 30 मार्च 2025 तक वैज्ञानिक पद्धति से किया जाएगा।

तालाबों से हटेंगे अतिक्रमण

अभियान के तहत राजस्व विभाग के साथ तालाबों का सीमांकन किया जायेगा। राजस्व अभिलेखों में नवीन तालाबों को दर्ज किया जायेगा। तालाबों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की सीमा को दशार्ने हेतु चॉदि-मुनारे बनाये जायेंगे। तालाबों का जन भागीदारी से गहरीकरण होगा। मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से तालाब का जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। तालाबों में जल की आवक बढ़ाने के लिये इनलेट क्षमता बढ़ायी जायेगी। तालाबों के पास पौधारोपण होगा। उपयोगकर्ता समूह बनाकर संधारण एवं रख रखाव किया जायेगा।

वृहद वृक्षारोपण

महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत वर्षाकाल में वानिकी व उद्यानिकी पौधरोपण के लिए पारंपरिक जल स्त्रोतों के निकट भूमि का चयन किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समीपस्थ नर्सरियों का निर्धारण किया जाएगा, जिसमें एसएचजी संचालित नर्सरियों को प्राथमिकता मिलेगी।

नदियों के स्त्रोत के कैचमेंट पर होंगे कार्य

जिले की महत्वपूर्ण नदियों के स्त्रोत से वाटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य किये जायेंगे। रिमोट सेंसिंग और फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर कार्ययोजना बनाकर एक वर्ष के भीतर कार्य पूर्ण किया जाएगा। गेबियन संरचना, ट्रेंच, वृक्षारोपण, चेकडेम तालाब आदि कार्य समुदाय की भागीदारी से किये जायेंगे।

पूर्व निर्मित जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार

पूर्व में उपयोगी रहे लेकिन वर्तमान में अनुपयोगी चेकडेम व स्टॉप डेम का सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तैयार कर कार्य किये जायेंगे। गाद निकालने में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कुँओं की मुण्डेर को सुव्यवस्थित किया जायेगा।

युवाओं को जलदूत बनाया जायेगा

प्रत्येक ग्राम से 1-2 युवा महिला या पुरुष का चयन कर जलदूत बनाया जायेगा। ये जलदूत जीर्णोद्धार, सफाई, शासकीय योजनाओं में हितग्राही चयन और जल के सदुपयोग हेतु जनजागरूकता बढ़ाने में सहयोग करेंगे। जलदूतों का पंजीकरण भी किया जाएगा।

पानी चौपाल/पानी पंचायत/जल पंचायत भी होंगी

जल संरक्षण के महत्व एवं अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देने, जनता को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करने, वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने, भूजल संवर्धन कार्यों के विकल्प तैयार करने, आगामी वित्तीय वर्ष के जल संवर्धन से जुडे.हुये कार्यों की रणनीति तैयार कर इन कार्यों को क्रियान्वित करवाने के लिए पानी चौपाल/पानी पंचायत/जल पंचायत भी होंगी।

मालवा मिल-पाटनीपुरा मार्ग चार माह के लिए होंगे बंद, पुराना ब्रिज टूटकर बनेगा नया

दूसरे मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ेगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के मालवा मिल-पाटनीपुरा मार्ग को चार माह के लिए बंद करने का फैसला नगर निगम ने लिया है। शनिवार रात को मार्ग पर मार्ग पर ट्रैफिक बंद होने के बोर्ड भी नगर निगम ने लगा दिए। चार माह तक वाहन चालकों को अब दूसरे मार्गों से गंतव्यों तक जाना होगा। इस मार्ग पर 100 साल पुराने ब्रिज को तोड़कर छह लेन नया ब्रिज बनाया जाएगा। इसके लिए मार्ग को बंद करना होगा।

इसकी सूचना नगर निगम ने जगह-जगह होर्डिंग टांग कर दे दी है। उधर नगर निगम के मार्ग बंद किए जाने के कारण व्यापारी खुश नहीं है। उनका कहना है कि चार माह तक मार्ग बंद रहने से हमारा व्यापार प्रभावित होंगे। इससे ग्राहकी टूटेगी और धंधा भी पहले की तुलना में कम होगा। कई व्यापारी दुकानें खाली कर जा चुके है। पाटनीपुरा शहर के व्यस्त मार्गों में से एक है। दिनभर में 70 हजार से ज्यादा वाहन इस मार्ग पर आवाजाही करते है। अब इन वाहनों को विश्रांति मार्ग या अटल द्वार रोड से जाना होगा, हालांकि इन दोनो मार्गों पर भी सुबह और शाम के समय ट्रैफिक का दबाव रहता है। नगर निगम ने दस साल पहले मालवा मिल से पाटनीपुरा सड़क 80 फीट चौड़ी की थी। तब मार्ग सालभर के लिए बंद हुआ था, लेकिन तब नगर निगम ने ब्रिज का निर्माण नहीं किया। तब हो जाता तो फिर मार्ग को ट्रैफिक के लिए बंद नहीं करना पड़ता।

छह करोड़ में बनेगा ब्रिज

नगर निगम छह करोड़ रुपये की लागत से ब्रिज का निर्माण करेगा। इसके लिए कुछ अतिक्रमण हटाए जाना है। ब्रिज तोड़ने का काम रविवार से शुरू होगा। रात को मार्ग पर ट्रैफिक पर रोक लगाने के बोर्ड लगा दिए गए, हालांकि मार्ग पूरी तरह बंद नहीं किया गया, लेकिन सोमवार से मार्ग पर ट्रैफिक पुरी तरह से रोक दिया जाएगा।

ग्रीष्म ऋतु में लू के प्रकोप से बचाव हेतु आवश्यक सुझाव

इंदौर। इंदौर जिले में बढ़ते तापमान को देखते हुये ग्रीष्म ऋतु में लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी की गई है। लू (तापघात) से बचाव एवं उपचार हेतु जारी एडवायजरी में दिये गये सुझावों का पालन करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.सैत्या ने नागरिकों से अपील की है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

चिकित्सा विभाग के सच्चे सिपाही हैं रेडियोग्राफर : वाजपेयी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

चिकित्सा विभाग के सच्चे सिपाही है रेडियोग्राफर,जो अपनी ही नहीं अपने बच्चों की जान भी जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा करता है. एक्स-रे के आविष्कारक विलिहेम कोनार्ड रोंजन के जन्मदिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश रेडियोग्राफर एसोशिएशन के अध्यक्ष शिवाकान्त वाजपेयी ने कहा, वरिष्ठ रेडियोग्राफर मानसिंग चौधरी ने कहा कि रेडियेशन के दुष्प्रभाव झेलते झेलते सैकड़ो रेडियोग्राफर शहीद हो गये और कइयों के संताने विकलांग ही पैदा हुई.

संघ के सचिव विनोद तिवारी ने कहा कि शासन को विकिरण सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना चाहिये, जरा सी लापरवाही पेशेंट, पब्लिक और पैरामेडिकल तीनों को प्रभावित कर सकती है. कार्यक्रम में शासकीय कैंसर चिकित्सालय के वरिष्ठ रेडियोग्राफर शरद जैन ने विकिरण से बचने के तरीके बताये. एम वाय अस्पताल के रेडियोग्राफर अजय सोनी ने सभी आर्मंत्रितों का स्वागत किया, कैंसर चिकित्सालय, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय,से प्रवीण जैन ने बच्चों के एक्सरे की आधुनिक विधियों पर विस्तार से समझाया जुपिटर विशेष हॉस्पिटल से संजय शर्मा, काजल चौहान, एश्वर्या और मणि उपाध्याय ने एमआरआई और सीटी के बारे में विस्तृत जानकारी दी, कार्यक्रम का संचालन सुमेर डायग्नोस्टिक के डायरेक्टर रोहन खंडेलवाल ने किया,और सभी रेडियेशन वारियर से सम्मानित किया. वरिष्ठ रेडियोग्राफर दीपक शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया.

शासकीय दृष्टिएवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिव्यांगजन आवासीय परिसर, संस्कृति रायल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इस संस्थान में शारीरिक दिव्यांग बालकों को जो 06 वर्ष एवं अधिक आयु समुह के हो, उन्हें नियमानुसार कक्षा 01ली से कक्षा 12वीं में शिक्षण हेतु प्रवेश दिया जायेगा। सत्र 2025-26 हेतु प्रवेश प्रारंभ हो गया है।

प्रवेश के लिए आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता का प्रमाण पत्र (कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता होना आवश्यक है), दिव्यांगता दशार्ते हुए 06 फोटो, मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आई.डी., यू.डी.आय.डी., बैंक खाता आधार से लिंक किया हुआ और जन्म प्रमाण पत्र आदि की छायाप्रति लगाना होंगी। इस संस्थान में इन्दौर नगर निगम सीमा से बाहर निवास करने वाले बालकों को प्रवेश पश्चात छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें... इंदौर से दिल्ली और पटना के लिए दो स्पेशल ट्रेन, दो माह होगा संचालन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पश्चिम रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए ग्रीष्मकाल के दो माह में इंदौर से हजरत निजामुद्दीन और पटना के लिए दो स्पेशन ट्रेन का संचालन शुरू करेगा। दोनो स्पेशल ट्रेनो की बुकिंग भी रेल विभाग ने शुरू कर दी है। दोनो ट्रेने सप्ताह में दो दिन चलेगी। इंदौर से सप्ताह में दो दिन शाम पांच बजे इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन संख्या 09309 शुक्रवार और रविवार को चलेगी। जो दूसरे दिन सुबह पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसका संचालन 4 अप्रैल से शुरू होगा, 29 जून तक चलेगी।

इसी तरह हजरत निजामुद्दीन से 09310 ट्रेन हर रविवार और सोमवार को सुबह 8.20 बजे चलेगी और रात को 9 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का स्टॉपेज नागदा, उज्जैन और देवास भी रहेगा। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से 5 अप्रैल,से 30 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे। इसी तरह महू से पटना के लिए ट्रेन संख्या 09343/09344 हर गुरुवार को शाम साढ़े छह बजे महू से जाएगी और अगले दिन शुक्रवार को शाम साढ़े छह बजे पटना पहुंचेगी। इस ट्रेन का इंदौर (19.05/19.15) बजे, फतेहाबाद(20.08/20.10)बजे, उज्जैन(20.45/20.55) बजे एवं मक्सी(21.25/21.27) बजे प्रति गुरूवार को आगमन/प्रस्थान होगा।यह ट्रेन महू से 3 अप्रैल से 26 जून तक चलेगी।

महू -पटना स्पेशल (साप्ताहिक) : ट्रेन संख्या 09343 महू- पटना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को शाम 5.30 बजे महू से से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शुक्रवार को शाम 5.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09344 पटना से रात 8.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन शनिवार को रात11.20 बजे महू पहुंचेगी। इस ट्रेन का मक्सी(19.00/19.02), उज्जैन(20.35/20.40) फतेहाबाद(21.10/21.12) एवं इंदौर (22.10/22.15) बजे प्रति शनिवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन पटना से 04 अप्रैल से 27 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी, स्लीपर एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। इंदौर से सप्ताह में दो दिन शाम पांच बजे इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन शुक्रवार और रविवार को चलेगी। जो दूसरे दिन सुबह पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसका संचालन 4 अप्रैल से होगा।

खुड़ैल क्षेत्र में ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरने से मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी, जिसमें एक ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब सुनील दरबार नामक व्यक्ति को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय सुनील दरबार के रूप में हुई है, जो नीलगिरी परिसर में रहता था। परिजनों के मुताबिक, सुनील ड्राइवर का काम करता था और शनिवार को अमावस्या के दिन वह घर पर ही था। वह कुछ देर के लिए बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला लेकिन थोड़ी देर बाद परिवार को तेज आवाज सुनाई दी। जब वे बाहर झांके, तो देखा कि सुनील जमीन पर गिरा हुआ था। तत्काल परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वह बच नहीं सका। परिजनों का कहना है कि सुनील मूल रूप से ठीकरी का निवासी था। उसकी पत्नी दीपिका, 10 साल की बेटी और डेढ़ साल का बेटा है। बाकी परिवार अभी भी ठीकरी में रहता है। सुनील की इस दुखद मृत्यु से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

निंदा ना करें...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, हमारा समाज अक्सर दूसरों की निंदा करने की आदत में लिप्त रहता है। शायद इसीलिए कहा गया है, 'परनिंदा सुख बहुत रे!' लेकिन मेरा इस विषय में थोड़ा अलग मत है। मेरा मानना है कि किसी की आलोचना करना और उसकी कमियों को उजागर करना एक ऐसा स्वभाव बन चुका है, जो न केवल दूसरों को आहत करता है, बल्कि निंदक के मन में भी अशांति उत्पन्न करता है। प्रारंभ में, दूसरों की आलोचना करने में एक अस्थायी आनंद महसूस होता है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह मानसिक अशांति और नकारात्मकता को जन्म देता है। जब हम लगातार दूसरों की गलतियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हमारा आत्म-विकास भी बाधित हो जाता है।

दोस्तों, हर व्यक्ति का अपना दृष्टिकोण और स्वभाव होता है। किसी के प्रति नकारात्मक धारणा बनाना आसान है, लेकिन यह दृष्टिकोण हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। दूसरों की आलोचना करके हम अपने भीतर असंतोष और तनाव को जन्म देते हैं। वैसे, उपरोक्त सभी बातों को हम सब जानते हैं, लेकिन इसके बाद भी मौका मिलते ही निंदा करने से चूकते नहीं है। ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण हो जाता है कि आख़िर निंदा करने के पीछे क्या कारण होता है? तो आगे चलने से पहले मैं आपको बता दूँ कि लोग अलग-अलग कारणों से निंदा करते हैं। कुछ लोग इसे केवल अपना समय बिताने का साधन मानते हैं, जबकि कुछ स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने के लिए दूसरों की कमियां गिनाते हैं। यह स्वभाव आत्म-संतुष्टि का झूठा एहसास दिला सकता है, लेकिन यह कभी भी सच्ची खुशी नहीं देता। इसके अलावा, निंदा करने वाले लोग अक्सर अपनी असफलताओं या असुरक्षाओं को छुपाने के लिए ऐसा करते हैं। जब हम दूसरों पर उंगली उठाते हैं, तो हमारी अपनी कमियां दृष्टिगत नहीं होतीं, जिससे हमें अस्थायी संतुष्टि मिलती है। उपरोक्त स्थितियों के आधार पर बहुत स्पष्ट तौर पर कहा जा सकता है कि आज के युग में निंदा से बचे रहना असंभव ही है। इसलिए अगर आप शांत जीवन जीना चाहते हैं तो बेहतर तो यही होगा कि निंदा का सामना करना सीख जाएँ और इसके लिए सबसे पहले यह स्वीकार लें कि निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है। वे किसी भी परिस्थिति में अपनी आलोचना की आदत को नहीं बदलते। इसलिए, समझदार व्यक्ति वही है जो इन टिप्पणियों की उपेक्षा कर अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है। समय और ऊर्जा को प्रतिवाद में व्यर्थ करने के बजाय, आत्म-विकास पर ध्यान देना अधिक उत्पादक है। सफल लोग आलोचनाओं को अपने आत्मबल को बढ़ाने का साधन मानते हैं। वे नकारात्मक टिप्पणियों को प्रेरणा में बदलकर अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर अग्रसर रहते हैं। जब आप अपने उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो एक समय ऐसा भी आता है जब निंदक स्वयं निराश हो जाते हैं। दोस्तों, अगर आपका लक्ष्य अनावश्यक दबाव से बचकर जीवन जीना है तो सबसे पहले स्वीकार लें कि हर व्यक्ति को ईश्वर ने किसी न किसी उद्देश्य से बनाया है। किसी की निंदा करना, ईश्वर की रचना का अनादर करने के समान है। दूसरों की आलोचना करके हम स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास करते हैं, लेकिन यह वास्तविक आत्म-सम्मान नहीं है। जो व्यक्ति अपने आत्म-विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करता है, वह दूसरों की आलोचना करने के बजाय आत्म-विकास की दिशा में अग्रसर होता है। आलोचना से अधिक प्रभावी है प्रशंसा करना और दूसरों को प्रेरित करना। इसलिए दोस्तों, किसी भी इंसान की निंदा करने के स्थान पर उसे ईश्वर की रचना मानकर उसका सम्मान करें। अंत में निष्कर्ष के तौर पर इतना ही कहना चाहूँगा कि निंदा करने की प्रवृत्ति को त्यागकर, हमें आत्मनिरीक्षण और आत्मविकास की ओर बढ़ना चाहिए। जब हम दूसरों की सफलताओं को सराहते हैं और उनकी अच्छाइयों को अपनाते हैं, तब हम भी मानसिक शांति और संतोष की अनुभूति करते हैं। इसलिए, निंदा से बचें, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं और अपने जीवन को सार्थक बनाएं।

अपील- नरवाई न जलाएं, धरती बचाए नरवाई जलाने पर होगी कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में किसानों से आग्रह किया गया है कि वे पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से नरवाई नहीं जलाये। नरवाई जलाना पर्यावरण, मानव जीवन और भूमि की उर्वरा शक्ति के लिये हानिकारक है। जिले में वर्तमान में गेहूं के साथ-साथ अन्य फसलों की कटाई का कार्य किया जा रहा है। कटाई के उपरांत खेतों में शेष अवशेषक (नरवाई) बचता है जिन्हें किसान अनुपयोगी समझकर आग लगाकर नष्ट कर देते है इससे भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है एवं प्रदूषण फैलता है।

उप संचालक कृषि श्री सी.एल.केवड़ा ने बताया कि नरवाई में लगभग नत्रजन 0.5 प्रतिशत, स्फुर 0.6 प्रतिशत और पोटाश 0.6 प्रतिशत पाया जाता है, जो नरवाई में जलकर नष्ट हो जाता है। भूमि में उपलब्धत जैव विविधता समाप्त हो जाती है अर्थात भूमि में उपस्थित लाभ दायक सूक्ष्म जीव एवं केचुआं आदि विभिन्न जीव जलकर नष्ट हो जाते है, जिससे भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है। भूमि कठोर हो जाती है जिसके कारण भूमि की जलधारण क्षमता कम हो जाती है। फलस्वरूप फसलें जल्दी सूखती है। भूमि में होने वाली रासायनिक क्रियाएं भी प्रभावित होती है जैसे कार्बन, नाईट्रोजन एवं कार्बन फास्फोरस का अनुपात बिगड जाता है, जिससे पौधो को पोषक तत्व ग्रहण करने में कठिनाई होती है। कई बार नरवाई की आग फैलने से जनधन की हानि होती है एवं पेड़-पौधे जलकर नष्ट हो जाते है। कृषि विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों के सूचना पटलों पर पहले ही सूचना बनाम चेतावनी भी चस्पा की जा चुकी है। पंचायतवार कार्यक्रम बनाकर किसानों को नरवाई न जलाने की समझाइश दी जा रही है। विभागीय मैदानी अमले द्वारा गांव-गांव जाकर चौपाल लगाकर किसानों को समझाइश दी जा रही है कि खेतों की जुताई करे या रोटावेटर चलाकर नरवाई को यथास्थान जमीन में मिला दे। साथ ही हैप्पी सीडर एवं जीरो टिलेज सीड ड्रिल से बोनी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन यंत्रो के उपयोग से फसल अवशेष को भूमि में मिलाया जा सकेगा। इससे भूमि उर्वरा शक्ति बढेगी तथा फसल उत्पादन बेहतर प्राप्त होगा तथा लागत में कमी आयेगी।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना हेतु आज

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित कर दी गई है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में देश के युवाओं को इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को 12 महीने तक विभिन्न व्यवसायो और रोजगार के अवसरों में वास्तविक जीवन के कारोबारी माहौल मे कार्य करने तथा संबंधित स्किल सीखने का अनुभव मिलेगा इन शीर्ष कंपनियों की सूची पीएम इंटर्नशिप योजना के पोर्टल पर उपलब्ध है।

इंदौर में गुड़ी पड़वा की धूम, शंखनाद के बीच सूर्य को अर्घ्य देकर लोगों ने मनाया हिन्दू नववर्ष

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रविवार को विक्रम संवत 2082 की शुरूआत के मौके पर गुड़ी पड़वा पर्व धूमधाम से मनाया गया। उगते सूरज को शंखों की ध्वनि के बीच अर्घ्य दिया गया। नूतन मंगल वर्ष पर खुशहाली की कामना की गई और एक दूसरे का मुंह मीठा कर गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दी गईं।

शहर के तीन स्थानों पर बड़े आयोजन हुए। राजवाड़ा पर सुबह महिलाएं व पुरुष पारंपरिक परिधानों के साथ एकत्र हुए। चौक गजरे की खुशबू से महक रहा था और रंगोली सड़कों की सुंदरता बढ़ा रही थी। सूर्य उदय होते ही शंख बजने लगे और लोगों ने जल से सूर्य को अर्घ्य दिया। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने साधु संतों और शहर के लोगों के साथ इस पर्व को मनाया। विजयवर्गीय ने कहा कि नया हिंदू नववर्ष देशवासियों के लिए मंगलमय हो। प्रदेश और इंदौर में खुशहाली लाए। यही हमारी मंगलकामनाएं हैं। इंदौर में सुबह से कई परिवारों ने घरों में गुड़ी बांधी गई और दरवाजे की चौखट पर आम की पत्तियों के वंदनवार सजाए गए।

बड़ा गणपति पर भी कार्यक्रम

शुभ संकल्प संस्था ने बड़ा गणपति चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित कर सामूहिक रूप से सूर्य को अर्घ्य दिया। यहां भी युवतियां साफा पहने और हाथों में तलवार लेकर आई थीं। साधु-संतों

की मौजूदगी में यहां पूर्व पार्षद दीपक जैन टीनू ने गुड़ी का पूजन किया।

वैशाली नगर चौराहे पर कार्यक्रम

इसके अलावा वैशाली नगर चौराहे पर भी आयोजन हुआ। तिलक नगर में संस्था पूर्वी इंदौर ने आनंदोत्सव मनाया। पूर्व निगम सभापति अजय सिंह नरुका ने बताया कि बीते 16 सालों से संस्था द्वारा गुड़ी पड़वा मनाया जाता है।

माता मंदिरों पर भी भीड़

नव वर्ष के साथ चैत्र नवरात्रि शुरू हो गई। इसके चलते शहर के देवी मंदिरों पर भी पूजा व अनुष्ठान हो रहे हैं। शहर के प्राचीन मंदिर बिसासन टेकरी पर भक्तों के लिए टेंट लगाया गया है। रात तक मंदिर भक्तों के लिए खुला रहेगा। रविवार को बड़ी संख्या में भक्तों ने आकर माता के अलग-अलग रूपों के दर्शन किए।

मोदी ने प्रदेश की बहनों को किया प्रेरित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को मन की बात रेडियो कार्यक्रम में प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कुकीज बनाए जाने का उल्लेख करने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिवादन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बहनें अपने स्तर पर पहल कर आत्मनिर्भरता की नई मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति द्वारा किए जा रहे हैं नवाचारों का उल्लेख करने से उन्हें प्रेरणा मिलेगी और बहनें अपने कौशल और परिश्रम से नए आयाम स्थापित करने की ओर अग्रसर होंगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने महुआ के फूलों के बारे में जरूर सुना होगा, हमारे गांवों और खासकर के जनजातीय समुदाय के लोग इसके महत्व से अच्छी तरह परिचित हैं। देश के कई हिस्सों में महुआ के फूलों की यात्रा अब एक नए रास्ते पर निकल पड़ी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कुकीज बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि राजाखोह गांव की चार बहनों के प्रयास से ये कुकीज बहुत लोकप्रिय हो रही है। इन महिलाओं का जज्बा देखकर एक बड़ी कम्पनी ने इन्हें फेक्ट्री में काम करने की ट्रेनिंग दी। इससे प्रेरित होकर गांव की कई महिलाएं इनके साथ जुड़ गई हैं। इनके बनाए महुआ कुकीज की मांग तेजी से बढ़ रही है।

दाऊदी बोहराबोहरा समाज ने ईद की नमाज की, बच्चों ने एक दूसरे को दी मुबारकबाद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में दाऊदी बोहरा समाज ने 30 रोजे पूरे करने के बाद रविवार को ईद उल फितर (मीठी ईद) का त्योहार मनाया। सुबह 6.30 बजे ईद की विशेष नमाज और खुत्बा हुआ, जिसके बाद समाज के लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर ईद की खुशी का वातावरण बना रहा और नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी एक-दूसरे को ईद की बधाई दी। यह एक खास मौका था, जब समाज के हर सदस्य ने इस खुशी को साझा किया।

चांद के दीदार के बाद ईद का ऐलान

रमजान के महीने का समापन होते ही

ईद-उल-फितर का त्योहार सोमवार को मनाया जाएगा। रविवार की शाम को शहर काजी ने चांद के नजर आने की पुष्टि की। डॉ. इशरत की अगुआई में चांद का दीदार हुआ, और फिर प्रदेश तथा देश के अन्य हिस्सों से भी चांद के देखने की तस्दीक की गई। इसके बाद ईद की नमाज सोमवार को ईदगाहों और मस्जिदों में अदा की जाएगी।

एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक

ईद के दिन, नमाज के बाद लोग गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देंगे। इस मौके पर विशेष दुआएं की जाएंगी, और जरूरतमंदों में फितरा और जकात बांटी जाएगी। यह अवसर समाज के सभी वर्गों के बीच भाईचारे और एकता को बढ़ावा देता है, जहां लोग अपनी खुशी और सुख-सुविधाओं को दूसरों के साथ साझा करते हैं।

बाजारों में ईद की धूम

ईद के करीब आते ही इंदौर के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। लोग खरीदारी के लिए उत्साहित थे और देर रात तक बाजारों में उमड़ रहे थे। कपड़ों से लेकर सेवइयों तक हर दुकान पर ग्राहकों की भारी भीड़ थी। विशेष रूप से सेवइयां, मेवा, कपड़े, जूते, टोपियां, रूमाल, इत्र और चूड़ियों की दुकानों पर दिनभर चहल-पहल बनी हुई थी। बाजारों में इस दिन की तैयारियों और उत्सव का माहौल देखा जा सकता था।

जमीन के विवाद में किसान की हत्या, 5 लोग गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में कनाड़िया गांव में एक किसान की पांच लोगों ने हत्या कर दी। आठ बीघा जमीन करोड़ों रुपये की थी और जिन लोगों को किसान परिवार ने जमीन खेती करने के लिए दी थी, वे उसका कब्जा नहीं छोड़ रहे थे। किसान ने इसकी शिकायत अफसरों को की थी। खेत पर कब्जा करने वाले किसान पर समझौता करने का दबाव बना रहे थे।

शुक्रवार को किसान बाबूलाल उर्फ गब्बर परमार का शव खेत में मिला था। परिजनों ने हत्या की शंका जताई थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बाबूलाल के पिता की आठ बीघा जमीन है। जिस पर बाबूलाल और उसके तीन भाई और दो बहनों का हिस्सा है। हिस्सेदारों ने यह जमीन खेती के लिए मान सिंह परिहार और घनश्याम परिहार को दी थी। करोड़ों की कीमत होने के कारण आरोपी ने खेती का कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया। इसे लेकर बाबू सिंह का मान सिंह और घनश्याम से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन आरोपियों ने बाबूलाल को रोका और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके सिर में अंदरुनी चोट आई। बाबूलाल जब घर नहीं लौटा तो शनिवार को परिजनों ने खोजबीन की। उसका शव खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से जमीन अपने नाम करा ली थी, लेकिन बाबूलाल कलेक्टर कार्यालय में लगातार आरोपियों के खिलाफ शिकायत कर रहा था।

मौसम के मिजाज ने किया सबको हैरान, कभी गर्मी तो कभी ठंड

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में तापमान कई रंग दिखा रहा है। कभी ठंड तो कभी गर्मी महसूस हो रही है। 38 डिग्री से आगे जाने के बाद अब तापमान लगातार 35 डिग्री के नीचे चल रहा है। शनिवार को 2.5 डिग्री तापमान गिरकर 34.3 पर आ गया और रात का पारा भी 1.9 डिग्री गिरकर 19.6 पर आ गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक हवाओं का रुख उत्तरी होने से तापमान में कमी आई है, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रहेगी। हालांकि कल की अपेक्षा आज तापमान में बढ़त दिखाई दे रही है। सुबह से गर्मी अधिक है और हवाओं में घुली ठंडक भी खत्म हो रही है।

अप्रैल की शुरूआत भी ठंडी होगी

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आज से तापमान में थोड़ी बढ़त आएगी और यह 35 डिग्री तक जा सकता है। वहीं कल यह 37 डिग्री के करीब जाने का अनुमान है। वहीं अप्रैल की शुरूआत में तापमान फिर गिरेगा। 1 अप्रैल को 35 डिग्री और 2 अप्रैल को तापमान 32 डिग्री तक जाने का अनुमान है। इस दौरान बादल छाए रहेंगे। 5 अप्रैल से तापमान एक बार फिर बढ़ना शुरू होगा और 7 अप्रैल तक 40 डिग्री तक पहुंचेगा, जिससे शहर तीखी गर्मी की चपेट में नजर आएगा।

56 दुकान पर कचरा कर रहीं 38 दुकानें, निगम ने डेढ़ लाख के चालान बनाए, मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

56 दुकान को स्वच्छता का तमगा दिया गया था, लेकिन समय के साथ यह स्थान अव्यवस्थाओं से भर गया। अब यहां गंदगी और कचरा साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, कुछ दुकानदार बिना लाइसेंस के भी दुकान चला रहे थे। इस स्थिति को सुधारने के लिए मोबाइल कोर्ट ने 56 दुकान और उसके आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान, दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी व कचरे के लिए 38 दुकानदारों के चालान बनाए गए। कुल मिलाकर डेढ़ लाख से ज्यादा की राशि वसूली गई।

मोबाइल कोर्ट की कार्रवाइयां कुछ दिनों से पुनः शुरू की गई हैं और विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश गुप्ता के निर्देश पर मोबाइल कोर्ट और निगम की टीम ने 56 दुकान और आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान कई दुकानदारों के पास लाइसेंस नहीं थे, जबकि कुछ स्थानों पर सड़कों तक कब्जे किए गए थे। इसके बाद निगम अधिकारियों ने 38 दुकानों के चालान किए और उनसे 1 लाख 58 हजार की राशि वसूली। इस कार्रवाई का अभियान 56 दुकान के अलावा आसपास के अन्य बाजारों में भी जारी रहा।

कब्जे -अव्यवस्थाओं पर कार्रवाई

मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान, कुछ दुकानों के बाहर तक सामान रखा गया था, जिससे रास्तों पर कब्जे की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। यह सब देखते हुए निगमकर्मियों ने दुकानदारों से सख्ती से कार्रवाई की। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान कुछ जगहों पर विवाद भी हुआ। दुकानदारों और निगमकर्मियों के बीच कहा-सुनी और झगड़े की स्थिति भी उत्पन्न हुई। इस तरह की घटनाओं के बावजूद कार्रवाई जारी रही, ताकि अव्यवस्था को रोका जा सके।

निगम की सख्त कार्यवाही और वसूली

निगम अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान 38 से ज्यादा दुकानदारों के चालान बनाए गए, जिनसे कुल 1 लाख 58 हजार रुपए की राशि वसूली गई। इस प्रक्रिया के तहत दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। निगम का उद्देश्य 56 दुकान और आसपास के बाजारों को साफ और व्यवस्थित बनाना है, ताकि यहां के लोग और दुकानदार बेहतर माहौल में काम कर सकें।

सराफा में युवती से छेड़छाड़, बचाने आई बहन और दोस्त को भी मनचले ने पीटा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के सराफा क्षेत्र में छुट्टी वाले दिन काफी भीड़ रहती है। इसका फायदा मनचले भी उठाने लगे है। वे युवतियों से बेड टच और छेड़छानी करते है। शनिवार को भी एक मनचले ने छेड़खानी की तो युवती ने विरोध किया। इससे नाराज युवक और उसके साथी ने युवती, उसकी बहन को पीटना शुरू कर दिया। युवती का दोस्त बीच-बचाव के लिए आया तो उसे भी पीटा। पुलिस अधिकारियों ने मामला संज्ञान में लिया और आरोपियों की खोजबीन शुरू की दी है।

छेड़खानी की घटना सराफा में

देर रात को हुई। यहां साधु वासवानी नगर निवासी युवती अपनी बहन और दोस्तों के साथ आई थी। एक दुकान पर युवक ने उसे गलत तरीके से छुने की कोशिश की। युवती ने विरोध किया तो युवक अश्लील कमेंट लगा। युवती ने भी कुछ बोला तो युवक ने गालियां देने शुरू कर दी। इस बीच आरोपी का साथी भी आ गया। युवक ने युवती के बाल खींच लिए। युवती की बहन और उसका दोस्त बचाने के लिए आया तो आरोपी और उसके दोस्त ने भीड़ भरे सराफा में मारपीट शुरू की दी। दुकानदारों ने बीच-बचाव कर दोनो को अलग किया। इसके बाद आरोपी अपने साथी के साथ भाग गया। मारपीट में युवती के चेहरे पर गंभीर चोट आई है। युवती की शिकायत पर सराफा थाने ने छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है, हालांकि आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश कर रही है। सराफा में पहले भी छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी है।

मुख्यमंत्री आज महेश्वर में

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 31 मार्च को खरगोन जिले के महेश्वर में आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 31 मार्च को दोपहर 2:30 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा महेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 3:30 बजे महेश्वर हेलीपैड पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 3:45 बजे नर्मदा रिट्रीट पहुंचेंगे और वहां से अपराह्न 4.25 बजे देवी अहिल्या किला पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपराह्न 4:45 बजे अहिल्या किले से मल्हारगंज ग्राउंड पहुंचेंगे और वहां पर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 5:40 बजे महेश्वर हेलीपैड पहुंचेंगे तथा वहां से शाम 5:45 बजे इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे । मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम 6:00 बजे एयरपोर्ट इंदौर पहुंचेंगे और वहां से वायुयान द्वारा शाम 6.35 बजे भोपाल पहुँचेंगे।

नगर निगम ने इमारतों की अग्निशमन सुरक्षा को लेकर जारी की चेतावनी, तुरंत करें सुधार!

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम ने बड़ी इमारतों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर से सार्वजनिक सूचना जारी की है। निगम ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी दिनों में इन इमारतों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर कोई सुधार नहीं किया जाता है, तो निरीक्षण के बाद इन भवनों को सील कर दिया जाएगा। इससे पहले भी नगर निगम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया था, जिसके तहत कई इमारतों को सील किया गया था। अब एक बार फिर से इस अभियान को चलाने की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों से दिशा-निर्देश मिलने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की योजना तैयार की है।

नई योजना और अग्निशमन सुरक्षा की दिशा में कड़े कदम

नगर निगम ने अपने नवीनतम सार्वजनिक सूचना में यह भी बताया कि जी प्लस और उससे ऊंचे आवासीय भवनों में अग्निशमन सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रावधान किए जाने चाहिए। संबंधित भवनों के मालिकों को चेतावनी दी गई है कि यदि निरीक्षण के दौरान कोई भी खामी या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित इमारतों को नगर निगम द्वारा सील किया जाएगा। यह कदम सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शहरवासियों को जागरूक करने और अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सफाई व्यवस्था के लिए नई जेसीबी की तैनाती

नगर निगम ने सफाई व्यवस्था और अन्य कार्रवाई के लिए अब तक की सबसे बड़ी पहल की है। पहले जेसीबी की कमी के कारण कर्मचारियों और अधिकारियों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 11 नई जेसीबी खरीदी हैं, जिनका महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा लोकार्पण किया गया। यह जेसीबी शहर के विभिन्न झोनलों में तैनात की जाएंगी, ताकि सफाई और अन्य कार्यों में कोई रुकावट न आए। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, अब हर झोन पर दो-दो जेसीबी और डंपर तैनात रहेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ के बाद सिंहस्थ में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान, 2000 करोड़ रुपए होंगे खर्च

उज्जैन ■

प्रयागराज में महाकुंभ में उमड़ी भीड़ को देखकर देश-दुनिया के लोग अर्चभित हो उठे थे। कुछ ऐसा ही नजारा अब एमपी में नजर आ सकता है। प्रदेश की धर्मनगरी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 का आयोजन किया जाना है जिसमें 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पवित्र स्नान के लिए आनेवाले इन करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए उज्जैन के सिंहस्थ क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाएं जुटानी होंगी। इन अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं के लिए करीब 2 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान जताया जा रहा है।

उज्जैन में लगे पिछले कुंभ मेला यानि सिंहस्थ 2016 में करीब 7 करोड़ श्रद्धालु

आए थे। तब यहां अधोसंरचना विकास पर 632.86 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। सिंहस्थ-28 में जरूरतें चार गुना बढ़ेंगी। ऐसे में अस्थायी सड़क, पानी, बिजली आदि करीब 2000 करोड़ रुपए पर खर्च होंगे। उज्जैन में सिंहस्थ के लिए मेला क्षेत्र में अब तक आधारभूत सुविधाओं के लिए अस्थायी निर्माण किए जाते रहे हैं। सिंहस्थ 2016 में 632 करोड़ खर्च किए गए लेकिन सिंहस्थ खत्म होने के बाद इनका कोई उपयोग नहीं हुआ था। वर्ष 15-16 के बाद इन्फ्लेशन में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं सिंहस्थ-28 में 30 करोड़ से अधिक लोगों के मान से व्यवस्था जुटाना होगी, यानि मांग चार गुना से ज्यादा बढ़ जाएगी। ऐसे में यदि इस बार भी सिंहस्थ मेला क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के लिए अस्थायी निर्माण किए गए तो यह खर्च 1500 से दो हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह राशि इतनी बड़ी है कि इसमें 10-15 प्रतिशत वृद्धि कर स्थायी प्रबंध व पक्के निर्माण किए जा सकते हैं। हालांकि इसके लिए अभी अधिकृत एस्टीमेट तैयार नहीं हुआ है।

पक्के निर्माण की योजना

राज्य सरकार ने सिंहस्थ-28 को देखते हुए मेला क्षेत्र में स्थायी अधोसंरचनाओं के लिए स्प्रिचुअल सिटी विकसित करने की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत लैंड पूलिंग कर क्षेत्र में पक्की सडक, पानी की लाइन, सीवर लाइन, अंडरग्राउंड बिजली लाइन, इलेक्ट्रिक पोल आदि स्थायी रूप से लगाए जाएंगे। हालांकि किसान इसका विरोध करते हुए अपनी जमीनें देने से इंकार कर रहे हैं।

सिंहस्थ 2016 में 632.86 करोड़ किया खर्च

पेयजल व्यवस्था, सीवर लाइन- 163 करोड़ रुपए
इलेक्ट्रिक व्यवस्था- 101 करोड़ रपए
टॉयलेट, सफाई, टैंट आदि पर- 315 करोड़ रुपए।
कच्ची सड़क, लेवलिंग- 20 करोड़ रुपए
टैंट व पार्किंग- 30 करोड़ रुपए
जिला पंचायत के टैंट- 3.86 करोड़ रुपए

बेटी की डोली उठने से पहले मिली पिता की लाश, पसरा मातम

सीधी ■

मध्यप्रदेश के सीधी जिले में एक परिवार की शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब परिवार के मुखिया की लाश सड़क किनारे पुलिया के नीचे मिली। घटना कमर्जी थाना इलाके के कुबरी गांव की है जहां के रहने वाले शख्स की लाश बरहा टोला में सड़क किनारे पुलिया के नीचे मिली है। परिजन को जब घटना का पता चला तो उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने किसी तरह परिजन को समझाईश दी और शांत कराया।

कमर्जी थाना इलाके के कुबरी कारीमाटी गांव के रहने वाले छविराज कुशवाहा उम्र 32 साल की लाश शनिवार शाम को सड़क किनारे पुलिया के नीचे मिलने से हड़कंप मच गया। छविराज की बेटी की शादी 5 मई 2025 को होनी है और वो बेटी की शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। परिजन के मुताबिक छविराज शनिवार को सुबह काम से निकला था और शाम तक वापस नहीं लौटा तो उसकी तलाश की। इस दौरान उसका शव हटवा बरहा टोला में सड़क के किनारे पुलिया के नीचे मिला। पुलिया के नीचे शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसी दौरान मौके पर मौजूद मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए चक्काजाम कर दिया।

बिना किसी जुर्म के जेल में रहेगा 17 महीने का बच्चा

बेतुल। मध्यप्रदेश के बैतूल में एक 17 महीने के बच्चे को जेल में रहना पड़ेगा। दरअसल इस बच्चे की मां की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पिता और दादा-दादी को गिरफ्तार किया था और कोर्ट ने तीनों को जेल भेज दिया है। अब बच्चे की परवरिश करने वाला कोई नहीं है क्योंकि बच्चा पिता व दादा-दादी के अलावा किसी के साथ नहीं रहना चाहता है। नाना-नानी भी उसे रखने से इंकार कर चुके हैं ऐसे में कोर्ट ने सभी परिस्थितियों पर विचार कर बच्चे को दादी के साथ जेल में रहने की इजाजत दी है।

ये है मामला

आमला थाना के रंभाखेड़ी गांव में 24 मार्च के एक नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने महिला के पति, सास,ससुर को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय ने जेल भेज दिया। इस मामले में पुलिस के सामने समस्या यह थी कि मां की मौत और परिवार के तीन सदस्यों के जेल चले जाने के बाद घर में पोते की देखरेख करने वाला कोई सदस्य नहीं था। बच्चा पिता और दादी के अलावा किसी के पास रहने को तैयार नहीं था। ऐसी परिस्थिति में कोर्ट ने नाना नानी को बुलाकर बच्चे की देखरेख के संबंध में चर्चा की लेकिन उन्होंने बच्चे को साथ ले जाने से मना कर दिया।

चपरासी ने बनाया प्लान और कर डाली 32 लाख की लूट

देवास ■

मध्यप्रदेश के देवास में पुलिस ने बुधवार को टोंकखुर्द थाना इलाके में बुधवार दोपहर को सहकारी सोसायटी के कर्मचारी से 32 लाख रुपये की लूट के मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने लूट की वारदात को अंजाम देने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि उनका एक साथी अभी भी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। 32 लाख रुपए की लूट की इस वारदात का मास्टरमाइंड उसी सोसायटी का चपरासी निकला है जिसके

कर्मचारी के साथ लूट हुई थी।

सोसायटी सचिव से 32 लाख की लूट

पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बुधवार 26 मार्च को पीपलरावां इलाके की जमोनिया में स्थित सहकारी सोसायटी के सहायक सचिव मुकेश पटेल किसानों से ऋण वसूली के 32 लाख रुपये लेकर टोंक खुर्द स्थित सहकारी बैंक में जमा करवाने जा रहे थे। तभी रास्ते में बरदू गांव के पास बाइक से आए दो बदमाशों ने कट्टा अड़ाकर पैसों से भरा बैग छीन लिया था और फरार हो गए थे। दोनों बदमाशों ने हेलमेट पहना हुआ था।

चपरासी निकला मास्टरमाइंड

दिनदहाड़े हुई 32 लाख रुपए की लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत इलाके की नाकेबंदी की और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला जिसमें हेलमेट पहने बदमाश नजर आए। पुलिस ने अब इस वारदात का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक वारदात का मास्टरमाइंड जमोनिया सहकारी सोसायटी का ही चपरासी राम कुशवाहा है जिसने पूरी प्लानिंग की थी। राम कुशवाहा ने अपने चार अन्य साथियों कुंदन सोलंकी, विष्णु साठिया, रोहित शाह और आमीन शाह के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। एक आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। आरोपियों के पास से 21 लाख रुपए बरामद किए गए हैं।

बिजली बिलों की 93 प्रतिशत सब्सिडी देगी सरकार

भोपाल। एमपी में किसानों के लिए बड़ा ऐलान किया गया है। राज्य के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर ने कहा है कि बिजली बिलों की 93 प्रतिशत सब्सिडी राज्य सरकार भरेगी। तोमर ने बताया कि सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी दरों पर सब्सिडी स्वीकृत की गई है। इसके अंतर्गत उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली राशि 750 रुपए प्रति हॉर्स पॉवर एवं आयोग द्वारा जारी दरों का अंतर सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस 2 अप्रैल को मनाया जायेगा

ऑटिज्म जागरूकता के संबंध में होंगे अनेक कार्यक्रम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस दिन बच्चों में होने वाली न्यूरो डेवलपमेंटल विकार ऑटिज्म की जागरूकता फैलाई जा सकती है ताकि बच्चों में उसकी पहचान जल्द से जल्द की जा सके और उसका निदान किया जा सके।

ऑटिज्म क्या है?

ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जो बच्चों में सामाजिक संवाद, व्यवहार और सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है, ऑटिज्म को हिंदी में 'स्वलीनता विकार' भी कहा जाता है। ऑटिज्म के प्रमुख लक्षणों में व्यक्ति को सामाजिक संपर्क बनाने, भाषा को समझने एवं उपयोग करने, अपने दैनिक कार्य करने और शिक्षा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

ऑटिज्म को कैसे पहचानें?

ऑटिज्म के लक्षण एक बच्चे में संभवतः 6 से 9 महीने की उम्र से ही दिखने लगते हैं। इन लक्षणों को जितना जल्दी पहचान कर उन के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाए यह ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे के सफलतापूर्वक इलाज के लिए बहुत जरूरी होता है। ऑटिज्म के संभावित लक्षण बच्चे के शारीरिक विकास के साथ बौद्धिक विकास में देरी, दूसरे लोगों से आंखों से संपर्क न साध पाना, नाम सुन कर प्रतिक्रिया न देना, सामाजिक विकास में कठिनाई, अकेले खेलना पसंद करना, भावों को समझने और व्यक्त करने में कठिनाई, बार-बार एक ही गतिविधि करना, कुछ खास चीजों में अत्यधिक रुचि दिखाना, हर दिन एक विशेष दिनचर्या से ही चलना, बोलने में देरी या कम बोलना, भाषा को समझने में कठिनाई, रोबोट जैसे बोलना, अपने में खोये रहना तथा अपनी बातें समझने के लिए शारीरिक भाषा का उपयोग करना आदि शामिल है।

आटिज्म का खास लक्षण- संवेदी प्रसंस्करण विकार

आटिज्म से ग्रसित ज्यादातर बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण में दिक्कत होती है, जो कि ऑटिज्म के काफी सारे अन्य लक्षणों को और ज्यादा बड़ा देती है। आटिज्म वाले बच्चों में इन्द्रियों (जैसे- देखना, सुनना, छूना, सूंघना, चखना आदि) से आने वाली जानकारी को समझने और उस पर उचित प्रतिक्रिया देने में कठिनाई होती है। जो कुछ बच्चों में ज्यादा या कुछ में कम हो सकती है। संवेदी समस्याओं के लिए किसी ऑक्यूपेशनल थेरेपी विशेषज्ञ की सहायता से संवेदी एकीकरण की मदद से इन समस्याओं का निदान मुमकिन है।

डॉ. परेश माथुर
ग्लोबल हेराल्ड

आटिज्म का उपचार

आटिज्म के उपचार के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। आटिज्म से ग्रसित बच्चे के अभिभावकों का आटिज्म के प्रति जागरूक होना, ताकि वो अपने बच्चे में सही समय पर आटिज्म के लक्षणों को पहचान सकें और विशेषज्ञों की मदद से उसका सही ढंग से इलाज किया जा सके। ऑटिज्म के उपचार के लिए कई विशेषज्ञों की एक टीम की आवश्यकता होती है जिसमें बच्चों के न्यूरोलॉजिस्ट, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट का प्रमुख रूप से काम होता है। बच्चों में सही समय पर आटिज्म के लक्षणों की पहचान, सही मार्गदर्शन एवं सही थेरेपी से एक आटिज्म से ग्रसित बच्चे का इलाज काफी हद तक मुमकिन है। इंदौर के प्रतिष्ठित ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट डॉ. परेश माथुर जो कि इंदौर ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट संघ के उपाध्यक्ष भी है एवं डॉ. शेरिलीन माथुर दोनों पिछले 10 वर्षों से अधिक से ऑक्यूपेशनल थेरेपी के माध्यम से आटिज्म के हजारों बच्चों का सफलतापूर्वक इलाज कर रहे हैं। उन्होंने यह सारी जानकारी सांझा की और साथ में बताया कि अत्यधिक मोबाइल एवं टीवी के प्रयोग से भी आटिज्म बढ़ता है। आटिज्म की जागरूकता एवं आटिज्म को अति शीघ्र पता लगाने के लिए उन्होंने अपने अनूप नगर, इंदौर स्थित इलीट चाइल्ड थेरेपी क्लिनिक पर 2 अप्रैल से 7 अप्रैल तक बच्चों की फ्री जाँच एवं सलाह की सुविधा रखी है, जिसमें बच्चों के अभिभावक जाकर अपने बच्चों की आटिज्म से संबंधित समस्याओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन ले सकते हैं।

कार्यालय जेल अधीक्षक, शहीद जननायक टंट्या भील, जिला जेल खण्डवा (म.प्र.)

क्रमांक 1122 /निर्वाह/2025 खण्डवा, दिनांक 22/03/2025

-:: वार्षिक ई - निविदा सूचना :: -
वित्तीय वर्ष 2025 - 26 (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश जेल पूर्ति नियम 1968 एवं मध्यप्रदेश भण्डार क्रय एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के अधीन जिला जेल खण्डवा के लिए वर्ष 2025-26 मे खाद्यान्न, सब्जी एवं विविध सामग्रियों की आपूर्ति हेतु वार्षिक ई निविदा विज्ञप्ति (द्वितीय आमंत्रण) निम्नानुसार जारी की जाती है।

निविदा कार्यक्रम का विवरण

क्र.	विवरण	दिनांक / समय	स्थान
1.	प्री - बिड मिटिंग	28/03/2024 दोपहर 11:00 बजे	जेल अधीक्षक कार्यालय, जिला जेल खण्डवा
2.	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	12/04/2025 शाम 17:00 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किए जा सकेगें।
3.	ई निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	12/04/2025 शाम 17:00 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन स्वीकार की जावेगी।
4.	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	15/04/2025 प्रात: 11:00 बजे तक	जेल अधीक्षक कार्यालय, जिला जेल खण्डवा
5.	नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण की तिथि	15/04/2025 दोपहर 12:00 बजे	जेल अधीक्षक कार्यालय, जिला जेल खण्डवा
6.	तकनीकी ई - निविदा खोलने की तिथि	15/04/2025 दोपहर 01:00 बजे	जेल अधीक्षक कार्यालय, जिला जेल खण्डवा
7.	वित्तीय ई - निविदा खोलने की तिथि	16/04/2025 दोपहर 12:00 बजे	जेल अधीक्षक कार्यालय, जिला जेल खण्डवा

निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा मे किया गया कोई भी संशोधन वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जावेगा, जिसकी सूचना जिला जेल खण्डवा के सूचना पटल पर चस्पा की जावेगी।

G-24945/24

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

(अदिती चतुर्वेदी पाण्डेय)
जेल अधीक्षक
जिला जेल खण्डवा, (मध्यप्रदेश)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम...

दिनांक 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी,

प्रहलाद सबनानी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है।

सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं। संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है। संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के

साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है। उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है। संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों यथा चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा निवृत अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकार, प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों का गठन भी किया गया है और आज देश भर में 12,091 संघ मंडलियां भी नियमित रूप से लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं। संघ के स्वयसेवकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विदेशों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इनमें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, इन युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू सनातन संस्कृति को भारत के जन जन के मानस में प्रवाहित करने का कार्य करने का प्रयास कर रहा है ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो एवं उनके लिए भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ की शाखाओं में प्रशिक्षित होने वाले स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच में जाकर करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। और, यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने के लिए एक आवश्यक आवश्यकता भी बन गया है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

वीडी बोले- प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है

भोपाल ■

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को राज्य संग्रहालय में ह्यआईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्सह्न के दो दिवसीय बूट कैंप के समापन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विजन से देश की दिशा में परिवर्तन आया है। राजनीति में पेशेवर लोगों के प्रवेश से सुशासन आएगा। इस सत्र में सांसद बांसुरी स्वराज, प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अनिर्बान गांगुली ने भी अपने विचार साझा किए। सांसद डॉ. विष्णुदत्त शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन को लेकर कहा कि उनके नेतृत्व में भारत का अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पूरी तरह से बदल चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए उन्होंने इंटेलेक्चुअल्स और प्रोफेशनल्स को भाजपा से जोड़ने की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग जैसे अलग-अलग क्षेत्र के प्रबुद्ध लोग, प्रोफेशनल्स और इंटेलेक्चुअल्स द्वारा भाजपा से जुड़ने से प्रधानमंत्री जी का एक लाख लोगों को राजनीति में लाने का संकल्प भी पूरा होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने तब गुजरात में बिजली संकट था। नरेन्द्र मोदी जी ने दो बार अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि गुजरात राज्य में न तो बड़ी नदियां हैं न बड़ी कोयला खदानें, बिजली उत्पादन संभव नहीं। तीसरी बैठक में नरेंद्र मोदी जी ने कहा- हमें बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना है, इसके लिए योजना बनाइए। अधिकारियों ने चंद घंटे में योजना प्रस्तुत कर दी। यह होता है विकास का विजन। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से एक लाख ऐसे लोगों को राजनीति में आने का आह्वान किया था जिनके परिवार के लोग राजनीति में नहीं थे। इसका उद्देश्य परिवारवाद और जातिवाद को समाप्त करना था। 'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' अभियान के तहत अब इंटेलेक्चुअल्स और प्रोफेशनल्स को पार्टी से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे देश की सेवा कर सकें।

हर वर्ग की सेवा है उद्देश्य : इंदौर के महापौर भार्गव

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो नीतियां बनाई हैं, वे जनता से जुड़ी हुई हैं और उनका उद्देश्य हर वर्ग की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स के द्वारा प्रोफेशनल्स और इंटेलेक्चुअल्स को राजनीति में लाकर पार्टी देश के समग्र विकास के लिए काम कर रही है।

युवाशक्ति सक्रिय भूमिका निभाए : बांसुरी स्वराज

सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों ने न केवल देश को प्रगति की दिशा में अग्रसर किया, बल्कि भारत के हर नागरिक को आदर्श बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व केवल शासन का नहीं, बल्कि सहभागिता का भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि युवा शक्ति को देश के नवनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

सुशासन आएगा : सारंग

प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि भाजपा इंटेलेक्चुअल्स की राजनीति में भागीदारी को महत्व देती है। इससे न केवल नीतियों में सुधार होगा, बल्कि सुशासन भी स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने हमेशा जनता की सेवा और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विकास के रास्ते पर काम किया है।

विजन हमेशा एक : गांगुली

डॉ. अनिर्बान गांगुली ने पार्टी के लोकतांत्रिक मूल्यों को साझा करते हुए कहा कि भाजपा में कार्यकताओं के कार्यों में भिन्नता हो सकती है, लेकिन उनका विजन हमेशा एक होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की मजबूत स्थिति और भारत की 2047 तक के विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में सभी नेताओं ने एकजुट होकर देश की सेवा में योगदान देने का आह्वान किया। यह बूट कैंप भाजपा के विजन के तहत भारत को 2047 तक एक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का प्रतीक है।

उज्जैन में सीएम मोहन ने किया विक्रम ध्वज और गुड़ी पूजन, जुलूस का भी शुभारंभ

उज्जैन ■

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने गृहनगर उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने विक्रम ध्वज और गुड़ी का पूजन किया। यही नहीं, इसके बाद उन्होंने जुलूस की शुरूआत भी की। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने देश के साथ साथ प्रदेशवासियों को हिंदू भारतीय नववर्ष की बधाई भी दी है। आज से हिंदू नववर्ष (चैत्र नवरात्रि) की शुरूआत हो गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुड्डी और ध्वजा पूजन किया। उन्होंने उज्जैन में फव्वारा चौक से निकलने वाले परंपरागत नव वर्ष गुड़ी पड़वा जुलूस की शुरूआत कराई। साथ ही, प्रदेशवासियों के साथ देशवासियों को हिंदू भारतीय नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

विक्रमोत्सव-2025 में शामिल हुए सीएम

इसके बाद सीएम मोहन यादव उज्जैन में विक्रमोत्सव-2025 में शामिल हुए। उन्होंने वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन किया। साथ ही, रूद्र सागर में लाइट एंड साउंड शो का शुभारंभ भी होगा। सम्राट विक्रमादित्य हैरिटेज होटल का लोकार्पण भी किया जाएगा। विक्रम पंचाग-2082 का विमोचन और कार्यक्रम में ड्रोन-शो की प्रस्तुति दी जाएगी। नववर्ष चैत्र प्रतिपदा की संध्या पर भव्य आतिशबाजी भी की जाएगी।

डी-लिट की उपाधि से सम्मानित हुए सीएम

मुख्यमंत्री पुस्तक रचनाकार विद्वानों को सम्मानित भी किया। अवंती गौरव सम्मान भी प्रदान किया। इसके अलावा जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ भी किया। व,हीं विक्रम विश्वविद्यालय सीएम डॉ मोहन यादव को राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा डी-लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

एमपी में 24 घंटे बाद बदलेगा मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। जहां आने वाले दो दिनों में ओलावृष्टि, बारिश के साथ आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर और नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलों में बारिश के ओले गिरने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से मौसम में बदलाव हो सकता है। 1 अप्रैल को हरदा, खंडवा, बुरहानपुर में ओले गिर सकते हैं। भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, इंदौर, देवास, बड़वानी, खरगोन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में हल्की बारिश, आंधी और गरज-चमक के आसार हैं। 2 अप्रैल को बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट में कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं।

मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर संत सेवालाल महाराज बंजारा लमान टांडा समृद्धि योजना को मप्र ने भी लागू करने की सिफारिश

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। महाराष्ट्र राज्य की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी संत सेवालाल महाराज बंजारा/ लमान टांडा समृद्धि योजना को लागू करने हेतु अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर इस योजना का लाभ मिलने हेतु भेट कर ज्ञापन सौंपा गया था। जिसके तहत आर्य ने मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिख कर संत सेवालाल महाराज बंजारा लमान टांडा समृद्धि योजना को मप्र ने भी लागू करने की सिफारिश की है।

भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि विगत दिनों अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य के सेंधवा निवास पर बंजारा समाज के लोग ने मुलाकात कर पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में संत सेवालाल महाराज बंजारा लमान टांडा समृद्धि योजना चल रही है जिससे बंजारा व लमान समाज के उत्थान व विकास में सहभागी होकर शिक्षा व रोजगार के अवसर प्राप्त होकर उनका जीवन स्तर भी सुधर रहा है। अगर यह योजना मध्यप्रदेश में भी लागू होती है तो मप्र में रहने वाले घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जनजाति के निवासियों को शिक्षा व रोजगार के अवसर प्राप्त होकर उनका भी जीवनस्तर उठ जाएगा। इसे मध्यप्रदेश लागू करने हेतु आर्य मिलकर मांग पत्र सोपा गया था। इस अवसर पर हुकुम पवार, श्रवण चौहान, संजय राठौर, राहुल पवार, हजारीलाल जाधव, रणजीत नायक, रामचंद राठौड़, करण पवार, करण चौहान, जालम जाधव, मानसिंह नायक आदि मौजूद थे। अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्य ने इस मांग पत्र को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को भेज कर संत सेवालाल महाराज बंजारा लमान टांडा समृद्धि योजना को मध्यप्रदेश में भी लागू करने की सिफारिश कर लिखा कि इस योजना से घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जनजाति के निवासियों को शिक्षा का स्तर बढ़कर रोजगार के अवसर प्राप्त होकर उनका जीवनस्तर भी बढ़ जाएगा। इस पर गंभीरता से विचार कर इस पर निर्णय लिया जाने का अनुरोध किया।

मैहर में आज से 30 और ट्रेनों का ठहराव, अब 116 से ज्यादा गाड़ियां रुकेंगी

सतना ■

मध्यप्रदेश के मैहर रेलवे स्टेशन पर आज यानी 30 मार्च से अप-डाउन की 14 जोड़ी यानी 28 ट्रेनों का अस्थाई स्टॉपज दिया है। मैहर मुंबई-हावड़ा रेलखंड में है इसके चलते मैहर रेलवे स्टेशन में देश करीब हर हिस्से से ट्रेनें आकर रुकती हैं। वर्तमान में 40 जोड़ी ट्रेनों का रेगुलर स्टॉपेज हैं। वहीं मैहर नवरात्र मेला में दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने 14 जोड़ी अप डाउन ट्रेनों का भी स्टॉपेज किया है।

30 मार्च से 12 अप्रैल तक रूकेंगी ट्रेनें- मैहर नवरात्र मेले में आने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 30 मार्च से 12 अप्रेल तक अप-डाउन की 14 जोड़ी यानी 28 ट्रेनों का अस्थाई स्टॉपज दिया गया है। ये सभी ट्रेनें पांच मिनट के लिए रुकेंगी। अस्थाई ट्रेनों को मिलकार मैहर में अब 110 गाड़ियों का ठहराव होगा। इन गाड़ियों के ठहराव के साथ ही मैहर स्टेशन में 8 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें, 3 सामान्य टिकट काउंटर व एक रिजर्वेशन काउंटर अलग से खोला गया है। स्टेशन में यात्रियों के लिए दो बड़े टेंट लगाकर पानी आदि की व्यवस्था भी की गई है।

ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर गिरता देख व भविष्य में जल संकट नहीं पड़े इस हेतु नपा द्वारा पानी की बचत करने के प्रयास

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। जल का अपव्यय रोकने व पानी की बचत करने के लिए जिन वार्डो में पानी की टंकी से व ट्यूबवेल दोनों से पानी सप्लाई हो रही है उनका सर्वे कर एक ही लाइन से पानी सप्लाई करने हेतु सर्वे कर सोमवार से टंकी से पानी सप्लाई को बंद कर ट्यूबवेल से सप्लाई करने की योजना पर काम किया जाने हेतु उपयंत्री ने वार्डो का सर्वे किया।

नपा से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर गिरता देख व भविष्य में जल संकट नहीं पड़े इस हेतु नपा द्वारा पानी की बचत करने व अपव्यय को रोकने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके चलते नपा द्वारा जल संकट से बचने हेतु कई मीटिंग आयोजित कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे जिसके अंतर्गत यह भी निर्णय लिया गया था कि जिन वार्डो में पानी की टंकी व ट्यूबवेल दोनों से पानी सप्लाई की जा रही हैं वहां पर पानी की टंकी या ट्यूबवेल में से किसी एक लाइन से पानी सप्लाई कर पानी की बचत करने का निर्णय लिया गया था जिसके तहत रविवार को नपा जल प्रदाय के उपयंत्री विशाल जोशी ने अपनी टीम के साथ राम कटोरा के वार्ड 17, 20 व 21 का सर्वे किया गया जिसमें एक व्यक्ति द्वारा वाहन ढोहते देख उसे चेतावनी देकर पानी का अपव्यय करने से मना कर चेतावनी दी कि अगर पुनः आपने पानी का दुरुपयोग किया तो आपका कनेक्शन विक्छेद कर दिया जाएगा। वही इन तीनों वार्डो में कुछ स्थानों पर पानी की टंकी व ट्यूबवेल दोनों से पानी सप्लाई किया जा रहा है। जिसको देखते हुए दोनों लाइनों का सर्वे कर पानी की टंकी से पानी की सप्लाई वाली लाइन को बंद कर सोमवार से ट्यूबवेल वाली लाइन से पानी का सप्लाई किया जाएगा। इसके लिए टीम ने सर्वे कर लिया गया है। उपयंत्री विशाल जोशी ने बताया कि नगर में 19 ट्यूबवेल चालू होकर पानी का सप्लाई हो रहा हैं जिसमें कुछ स्थानों पर ट्यूबवेल के साथ पानी की टंकी की दोनों लाइन से पानी की सप्लाई हो रही है उन स्थानों पर अब सिर्फ ट्यूबवेल की लाइन से पानी का सप्लाई की जावेगी। इसके लिए नालेपर के वार्डो में अब दोनों में से किसी एक लाइन से पानी सप्लाई की जावेगी इसके लिए सर्वे हो गया है कल से इस पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए वार्ड में सर्वे किया गया। इस दौरान वार्ड के सचिन शर्मा भी मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज महिला मंडल 1 अप्रैल को निकलेगी गणगौर का बाना

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। अग्रवाल समाज महिला मंडल मंगलवार को मंगल भवन से शाम 4 बजे गणगौर का बाना शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें बैंडबाजे के साथ दूल्हा दुल्हन का बाना निकाला जाएगा जो गुरुनानक चौक से संत विनोबा मार्ग, मोतीबाग चौक, श्याम बाजार से राम बाजार होते हुए किले अंदर राजराजेश्वर मंदिर पर समाप्त होगा। इस दौरान अग्रवाल समाज द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर पर बाना का स्वागत किया जाएगा। इसके साथ गणगौर पर्व समापन हो जाएगा।

बच्चों का व्यक्तित्व विकास के लिए जरूरी है अच्छा बचपन

बचपन जीवन की वह अवस्था होती है जिसने वह अपने शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक आदि विकास की शुरूआत करता है। बाल अवस्था जीवन का पहला पग है और इसलिए व्यक्तित्व की भी पहली अवस्था है। यह बात ध्यान रखने की है कि शारीरिक विकास की तरह बच्चे का सामाजिक, संवेगात्मक विकास भी जन्म से ही शुरू हो जाता है, जिसका वह सामाजिक परिस्थितियों में आकर तो उनका विकास करता है। कहावत है कि 'बच्चे के पैर पालने में ही नजर आने लगते हैं' अतः उसके बचपन से ही उसके व्यवहार का पता लगने लगता है कि वह आगे जाकर किस स्वभाव का होगा? शिशु अपने वातावरण में धीरे-धीरे सीखता है। चार या पांच मास का बच्चा को गुदगुदाओ, तो प्रसन्नता दिखाता है। प्रसन्न तो प्रथम दिन में भी होता है। परंतु उसकी अभिव्यक्ति नहीं कर सकता है। परिवर्तन तो नित्य चलता है परंतु हम उसे देर से देख पाते हैं।

श्याम कुमार कोलारे
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

'होनहार बिरवान के चिकने-चिकने पात' इस कथन की पुष्टि करते हैं स्वामी विवेककनन्द और डॉ भीमराव आंबेडकर जैसे महान व्यक्ति जिनके बचपन से ही इनके विलक्षणता के चिन्ह दिखाई देते थे। तथागत बुद्ध अपबे बचपन से ही करूणा ओर दया भाव से ओतप्रोत थे, जिससे उनका यह व्यक्तित्व जीवन पर्यान्त उनके गुणों के रूप में दिखाई देता रहा। बच्चे के व्यक्तित्व विकास में उसके शारीरिक स्वास्थ्य का भी बहुत असर पड़ता है। जो बच्चे पैदायशी कमजोर या अस्वस्थ होते हैं वह बचपन से ही चिड़चिड़े और हीन भाव से ग्रसित होते हैं। उसी भावना को लेकर उनके स्वभाव में कुछ कुंठाएं पैदा हो जाती हैं। जैसे दूसरों को सताना, अपनी तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए देर तक रोते रहना, हट करना इत्यादि। बच्चों के स्वभाव में भिन्नता होती है। सभी बच्चे बचपन मे अपने आसपास के वातावरण एवं उसके पास व सम्पर्क में आने वाले लोगो से सब कुछ सीखते है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास में उनके माता-पिता काम अभिभावकों का विशेष योगदान होता है। बच्चों के मां-बाप को चाहिए कि उनकी आदतों को पहचाने और उनकी बुरी आदतों को समझदारी से धीमे-धीमे आदतों को विकसित करें। हालांकि साधारण गुणों को तो छोड़ा या अपनाया जा सकता है। परंतु स्वभाव के मूल में जो गुण या अवगुण होते हैं उनका व्यक्तित्व से दूर करना कठिन होता है। फिर भी मां-बाप का कर्तव्य है कि वह बच्चों के व्यवहार में संतुलन पैदा करें। उन पर बहुत कठोर नियंत्रण नहीं ताकि उनका मानसिक विकास रुक जाए। इसी तरह इतना लाड़-प्यार न हो कि वह बिल्कुल अनुशासनहीन हो जाए। बच्चों को इस तरह नजर रखें कि वह स्वस्थ मानसिकता के व्यक्तित्व का धनी व्यक्ति बन सके। अतः एक आदर्श व्यक्ति के विकास में बचपन का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। उस अवस्था में बच्चा कच्ची मिट्टी के समान होता है और मन-मस्तिष्क पर कोई भी आकृति आसानी से अंकित हो जाती है और वह बहुत गहरी छाप छोड़ जाती है।

बच्चे की प्रथम पाठशाला उसका घर होता है। जैसा वातावरण उसके घर का होता है उन्हीं परिस्थितियों के अनुकूल उसका व्यक्तित्व ढलता है। बच्चा जब जन्म लेता है, तो उसके चारों तरफ जो वस्तुएं हैं उनको देखता है। उसी माहौल में उसकी इच्छाएं और अनिच्छाएं जन्म लेती हैं। उसकी पसंद-नापसंद का निर्धारण होना शुरू होता है। वह कुछ पाना चाहता है, तो उसे मिल जाता है परंतु जब उसकी भावनाओं की उपेक्षा की जाती है, तो उसके कोमल मन पर इसका आघात पहुंचता है और जब बात मान ली जाती है, तो उसका मन प्रफुल्लिता से भर जाता है। हर परिवार के अपने नैतिक व सामाजिक मापदंड होते हैं उसी के अनुकूल बच्चे की आदतें परवान चढ़ती हैं। बालक के लालन-पालन में उसकी तमाम आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि ऐसा न करने पर बालक के अंदर हीन भावना उत्पन्न हो जाती है। बालक का मन बहुत नर्म होता है। उसके व्यक्तित्व विकास काल में बहुत फूंक-फूंक कर बुद्धिमत्ता से व्यवहार करना चाहिए। खासतौर से एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि जिन गुणों की शिक्षा का हम पाठ अपने बच्चे को देते हैं उन पर हम स्वयं कितना चल रहे हैं। अगर मां-बाप बच्चे को सच बोलने की शिक्षा दे और स्वयं झूठ बोले तो उसकी कथनी में अंतर देखकर बच्चे के मन में एक अंतर्द्वन्द्व होगा कि अगर सच बोलना अच्छा है तो यह क्यों नहीं बोल रहे हैं। बच्चे को कभी-कभी नकारा जाता है जिसमें वह अपने आप को महत्वहीन समझने लगता है। अगर वह आपसे किसी चीज की फरमाइश करता है जिसका पूरा करना आपके सामर्थ्य में न हो, तो ऐसे में उसे समझा-बुझा लें, तो वह समझ जाएगा। अगर उसे फटकारा जाएगा, तो उसमें कुंठा पैदा हो जाएगी। छोटे बच्चों के व्यक्तित्व को आवश्यक नियंत्रण से परिवर्तित किया जा सकता है। बचपन बच्चों का वह समय होता है जिसमे वह अपने परिवार में समृद्ध एवं उपयुक्त वातावरण में अपने परिवेश में घटित सभी बातों को ग्रहण करता है। इसलिए बच्चों को समुचित देखरेख और मार्गदर्शन न मिलने से बहुतसी गलत बातों को सीख लेने की संभावना भी रहती है। बचपन में स्वच्छता और स्वस्थ आदतों के विकास पर बहुत अधिक बल दिया जाता है, क्योंकि 4-6 वर्ष की अवस्था सबसे अधिक संवेदनशील होती है अतः इस समय सीखी हुई आदतें प्रायः स्थायी होती हैं। स्वच्छता और स्वस्थ आदतें इस आयु में अच्छी प्रकार से सिखाई जा सकती हैं। किसी भी आदतों को डालने के लिए दवाव, दमनात्मक व्यवहार करना हानिकारक सिद्ध होता है। कई बार बचपन में ही बालक पर अत्यधिक कामों का बोझ होने से उनके बालपन की चंचलता को छीन लिया जाता है और वह समय से पहले बड़े हो जाते हैं। उनकी बालसुलभइच्छाओं पर रोक लग जाती है। आयु के साथ ही कुछ आदतों का समावेश व्यक्तित्व में होता जाता है। किसी एक बच्चे की ढेरों प्रशंसा करना और दूसरे की निंदा करना भी बच्चे के भीतर द्वेष और ईर्ष्या उत्पन्न करता है। परंतु बच्चे के अंदर प्रतिस्पर्धा के लिए अच्छे लोगों की मिसालें रखनी भी चाहिए। बच्चे का लालन-पालन करना आपका कर्तव्य है। यह कर्तव्य कलात्मकता लेकर किया जाए, तो आपकी यह कृति महान व्यक्तित्व का मालिक बना सकती है। मानव मन की अनेक तरंगे बालकपन में ही पहचान लेने से बच्चे का व्यक्तित्व विकास आसान हो जाता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

विश्वास की कमी से बढ़ते हैं तलाक के मामले

आजकल कुछ लेख पढ़ा जो बढ़ते तलाक के मामले पर था अपनी विशाल संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और समृद्धि की ऊंचाइयों के लिए मशहूर भारतीय समाज में तला के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60% की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60% की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11% है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित और प्रगतिशील देशों में तला की दर 55%, स्वीडन में 55%, रूस, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड में 43% और जर्मनी में 40% है। इससे पता चलता है कि रिश्तों को बनाए रखने के मामले में भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी बेहतर है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यहां तलाक कम हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि यहां के लोग अपने रिश्तों से खुश हैं। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। हमारे देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का बोलबाला है। भारतीयों के लिए अलगाव या तलाक कभी भी आसान बात नहीं रही, इसे पुरुष या महिला के चरित्र पर एक काला धब्बा माना जाता है। अन्य देशों की तरह यहां रिश्ते केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर नहीं बनते।इसके अलावा हिंदू धर्म तलाक शब्द को नहीं जानता।हिंदू धर्म में विवाह एक पवित्र और अनमोल रिश्ता है जिसे केवल एक जन्म के लिए नहीं बल्कि सात जन्मों के लिए माना जाता है।इसके अलावा कई अन्य कारक भी हैं जिनमें आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता, सामाजिक और पारिवारिक दबाव शामिल हैं। अगर बच्चे की जिम्मेदारी है तो अलगाव और भी मुश्किल हो जाता है।इस विस्तृत चर्चा में तला के मामलों में वृद्धि के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया गया जिसमें सबसे बड़ा तर्क ऐ निकला जो संस्कार है और विचार का सही तालमेल ना होना इसलिए शादी को गंभीरता से लें नहीं तो शादी ना करें यदि आप किसी अध्यात्मिक देवता को पूजते हैं तो ऐ कोई जरुरी नहीं की वो भी पूजे ,। सामाजिक परिवर्तन से आधुनिक युग में सामाज में परिवर्तन भी हो रहा है जिसका सीधा असर विवाह और तलाक पर पड़ता है। पुरानी रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर निकलने के दबाव, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग में वृद्धि के साथ ही स्थिर संबंध बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। आधुनिक समाज में हो रहे परिवर्तन विभिन्न क्षेत्रों में शोध और प्रक्रिया को प्रेरित कर रहे हैं। युवा पीढ़ी आत्म-स्वतंत्रता के महत्व को समझ रही है और इसलिए स्थिर संबंधों को बनाए रखने के बारे में अधिक चिंतित हो रही है। यह इच्छा अक्सर उन्हें अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग करने के लिए प्रेरित करती है, जो तला का कारण बन सकती है।। महिलाएं स्वतंत्र हो रही हैं आज की युवा पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व को समझती है और अपने जीवन को अपने रास्ते पर ले जाना चाहती है। इसलिए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आदर्शों के लिए लड़ते हुए, वे अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह अक्सर रिश्ते की स्थिति को कठिन बना देता है, जिससे तलाक का खतरा होता है। पहले, पुरुष ही एकमात्र व्यक्ति था जो पूरे परिवार के लिए रोटी कमाने जाता था और महिला घर पर रहती थी, इसलिए वह बाकी दुनिया से अलग-थलग थी। इससे उनके पतियों पर उनकी आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता भी बढ़ गई।

संजय गोस्वामी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला...

-ललित गर्ग- | लेखक

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

ग्लोबल हेराल्ड

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं,... उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का सख्त दृष्टिकोण अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में। पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए। आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ना त्रासदी है। भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, उनकी सुविधाओं एवं स्वच्छंदता का शिकार सर्वाधिक वृद्ध हो रहे हैं। आज वृद्धजन अपनों से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप, दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। निश्चित ही वृद्ध जीवन अभिशाप बन रहा है, क्योंकि आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भूकंप के लिए अनियोजित मानवीय गतिविधियां भी हैं जिम्मेदार !

28 मार्च का दिन म्यांमार और थाइलैंड के लिए एक बहुत ही बुरा दिन था। इस दिन यहां आए जोरदार व शक्तिशाली भूकंप ने दोनों देशों को बुरी तरह से हिलाकर रख दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रिक्टर स्केल पर 7.7 की तीव्रता वाले इस भूकंप ने म्यांमार के सागाइंग क्षेत्र से लेकर थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक तक भारी तबाही मचाई। इसके बाद आए 7.0 तीव्रता के एक और झटके ने स्थिति को और भी अधिक भयावह बना दिया। गौरतलब है कि भूकंप के झटके म्यांमार के अलावा थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत, वियतनाम और चीन तक महसूस किए गए। पाठकों को बताता चलूं कि यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है, जिससे कई इलाकों में दहशत, डर और खौफ का माहौल बन गया और इसका केंद्र राजधानी नेपीडॉ के पास बताया जा रहा है। वहीं शुक्रवार को आए भूकंप से मरने वालों की संख्या शनिवार को 1644 हो गई है। वहीं यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने आशंका जताई है कि भूकंप में मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मानवीय सहायता के लिए ह्यऑपरेशन ब्रह्माह्ल शुरू किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री लेकर म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से मांडले के लिए रवाना हो चुकी है। भारत की 80 सदस्यीय एनडीआरएफ रेस्क्यू टीम के साथ सी130 विमान म्यांमार की राजधानी नेपीदा पहुंच चुका है। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। भूकंप से हजारों लोग घायल बताए जा रहे हैं, वहीं अनेक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।अभी संख्या में इजाफा हो सकता है, क्यों कि मलबे के नीचे और अधिक लोग दबे हो सकते हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर जाने से 10 लोगों की मौत हुई है। बैंकॉक शहर के अधिकारियों के अनुसार उन्हें अब तक 2,000 से ज्यादा इमारतों के नुकसान की रिपोर्ट मिली है। जियोलॉजिस्ट्स(भूगर्भवेत्ताओं) के मुताबिक यह देश में 200 साल में आया सबसे बड़ा भूकंप है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि केंद्र से सैंकड़ों किमी दूर बैंकॉक के कई इमारतें नष्ट हो गईं। यहां तक कि भारत के मणिपुर तक भूकंप का असर हुआ है। जानकारी के अनुसार यहां के नोनी जिले में शनिवार को दोपहर 2:31 बजे 3.8 तीव्रता का भूकंप जमीन में 10 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, भूकंप में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।हालांकि, म्यांमार में राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी हैं, लेकिन हर तरफ मलबे के ढेर, टूटी सड़कें, और ढहती इमारतों का भयानक मंजर फैला हुआ है। अस्पतालों में खून की भारी किल्लत की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे जिंदगी बचाने की जंग और मुश्किल हो गई है। भूकंप के कारण मरीजों को सड़कों पर लाकर इलाज करना पड़ा, यह दशार्ता है कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा का मानव के पास कोई तोड़ नहीं है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि म्यांमार भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। वास्तव में,ग्लोबल सीस्मिक रिस्क मैप पर म्यांमार रेड जोन में है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में एक बहुत बड़ी दरार मौजूद है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सैगोंग शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सैगोंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है।इसे 'स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट' कहते हैं। इसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे के बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं।सैगोंग फॉल्ट में चट्टानों के खिसकने की अनुमानित रफ्तार 11 मिलीमीटर से 18 मिलीमीटर सालाना है।चट्टानों के लगातार खिसकने से ऊर्जा का दबाव बनता है और यह समय-समय पर भूकंप के रूप में ऊर्जा बाहर निकलती है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि भूकंप एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें पृथ्वी के अंदर से ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगें उत्पन्न होती हैं जो सभी दिशाओं में फैलकर पृथ्वी को कंपित करती हैं। भारत भी विश्व में भूकंप की दृष्टि से एक संवेदनशील क्षेत्र है। सच तो यह है कि भारत का लगभग 59% क्षेत्र विभिन्न तीव्रता के भूकंपों के लिये प्रवण है।गौरतलब है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के महाद्वीपीय टकराव हिमालय में भूकंप के प्रमुख कारक हैं। जानकारी मिलती है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटें भी प्रतिवर्ष 40-50 मिलीमीटर की सापेक्ष दर से करीब आती जा रही हैं।यूरेशिया के नीचे भारत के उत्तर की ओर धकेलने/बढ़ने से कई भूकंप उत्पन्न होते हैं, फलस्वरूप यह इस क्षेत्र को पृथ्वी पर भूकंपीय रूप से सबसे अधिक खतरनाक क्षेत्रों में से एक बनाता है। कहना गलत नहीं होगा कि तकनीकी रूप से सक्रिय वलित हिमालय पर्वत की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप प्रभावित देशों में से एक है।

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मृत्यु का अर्थ...

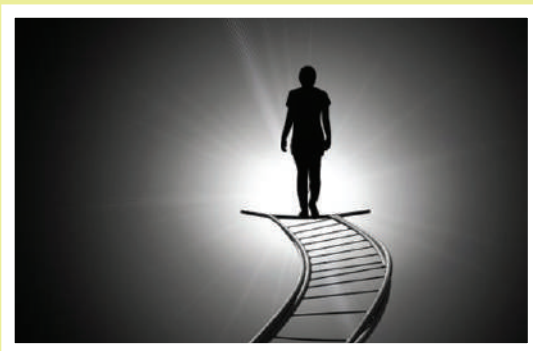

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

सेंसेक्स की आठ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 88,085.89 करोड़ बढ़ा

मुंबई ■

पिछले हफ्ते घरेलू शेयर बाजार में हल्की बढ़त की वजह से सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 88,085.89 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा मुनाफा मिला।

एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 44,933.62 करोड़ रुपए बढ़कर 13.99 लाख करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक का वैल्यूएशन 16,599.79 करोड़ रुपए बढ़कर 6.88 लाख करोड़ रुपए, टीसीएस का मार्केट कैप 9,063.31 करोड़ रुपएबढ़कर 13.04 लाख करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक के वैल्यूएशन में 5,140.15 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और अब इसका कुल मार्केट कैप 9.52 लाख करोड़ रुपए हो गया है। आईटीसी का मार्केट कैप 5,032.59 करोड़ रुपएबढ़कर 5.12 लाख करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का वैल्यूएशन 2,796.01 करोड़ रुपएबढ़कर 5.30 लाख करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,651.48 करोड़ रुपए बढ़कर 9.87 लाख रुपए करोड़ और बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 1,868.94 करोड़ रुपएबढ़कर 5.54 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं इसके विपरीत इन्फोसिस का मार्केट कैप 9,135.89 करोड़ रुपए घटकर 6.52 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,962.2 करोड़ रुपए घटकर 17.25 लाख करोड़ रुपए हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टापर पर बरकरार है।

31 मार्च को ईद पर बंद रहेंगे शेयर बाजार

भारतीय शेयर बाजार सोमवार 31 मार्च को ईद उल-फितर के मौके पर बंद रहेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बताया कि इस दिन इक्विटी, डेरिवेटिव और अन्य सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग नहीं होगी। इस वजह से निवेशकों को लंबे वीकेंड का फायदा मिलेगा। ईद-उल-फितर के मौके पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज सुबह के 9:00 बजे से 5:00 बजे तक के लिए बंद रहेगा। हालांकि, शाम को ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी और ये शाम 5:00 बजे से रात 11:00 या 11:30 बजे तक खुलेगी। यह मार्च महीने की दूसरी छुट्टी होगी। इससे पहले 14 मार्च को होली के चलते बाजार बंद रहा था। 2025 में त्योहारों और खास मौकों के चलते भारतीय शेयर बाजार कुल 14 दिन बंद रहेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने 22,919 करोड़ रुपये की योजना मंजूर

नई दिल्ली ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल, नॉन-सरफेस माउंट डिवाइस, मल्टी-लेयर पीसीबी, डिजिटल ऐप्लिकेशन के लिए लीथियम-आयन सेल आदि के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 22,919 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इस योजना से 59,350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। सरकार इस योजना के तहत बैटरी पैक, मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य उपकरणों में उपयोग होने वाले आवश्यक घटकों जैसे रेसिस्टर, कैपेसिटर, इंडक्टर, ट्रांसफॉर्मर, फ्यूज, थर्मिस्टर और पोटेंशियोमीटर के देश में विनिर्माण के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से 91,600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे और लगभग 59,350 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है। वैष्णव ने कहा ?कि हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं और पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना के जरिये तैयार उत्पादों के विनिर्माण को सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ उत्पादन में वृद्धि के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन देने के बजाय सरकार नई योजना के तहत प्रोत्साहन वितरित करने के लिए त्रिआयामी नजरिया अपनाएगी।

गूगल पर लगाए गए जुमार्ने को घटाकर किया 216 करोड़ रुपये

गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश भी दिया गया

नई दिल्ली ■

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गूगल के खिलाफ जारी दबदबे के मामले में सीसीआई के फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है। गूगल पर लगाए गए जुमार्ने को 216 करोड़ रुपये में कम करके एनसीएलएटी ने इसे दोबारा विचार करने के लिए तारीख तय की है। एनसीएलएटी के आदेश में गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही ऐप डेवलपर्स को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की अनुमति दी गई है। एनसीएलएटी ने कहा है कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर आए डेटा का सही उपयोग करने के लिए पारदर्शी नीतियों का अधिक विकल्प प्रदान करना चाहिए। इसके साथ ही गूगल को ऐप डेवलपर्स को अधिक स्वायत्तता देने के लिए प्रेरित करने के लिए कई सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह फैसला भारत में व्यावसायिक पोलीसी स्वायत्तता का महत्व दशार्ता है और अधिक स्पष्टता और स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गूगल ने एनसीएलएटी से संपर्क कर सीसीआई के 25 अक्टूबर, 2022 के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसमें उस पर 936.44 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया था और गूगल को प्लेस्टोर में आपत्तिजनक गतिविधियों को रोकने और उनसे दूर रहने को कहा गया था। यह मामला गूगल प्लेस्टोर की नीति से जुड़ा है, जिसके तहत सभी ऐप डेवलपर्स को ग्राहकों से शुल्क लेने के लिए केवल गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम (जीपीबीएस) का उपयोग करना होता है। जीपीबीएस का उपयोग न केवल ऐप से भुगतान प्राप्त करने के लिए किया जाता था, बल्कि इन-ऐप खरीदारी के लिए भी किया जाता था।

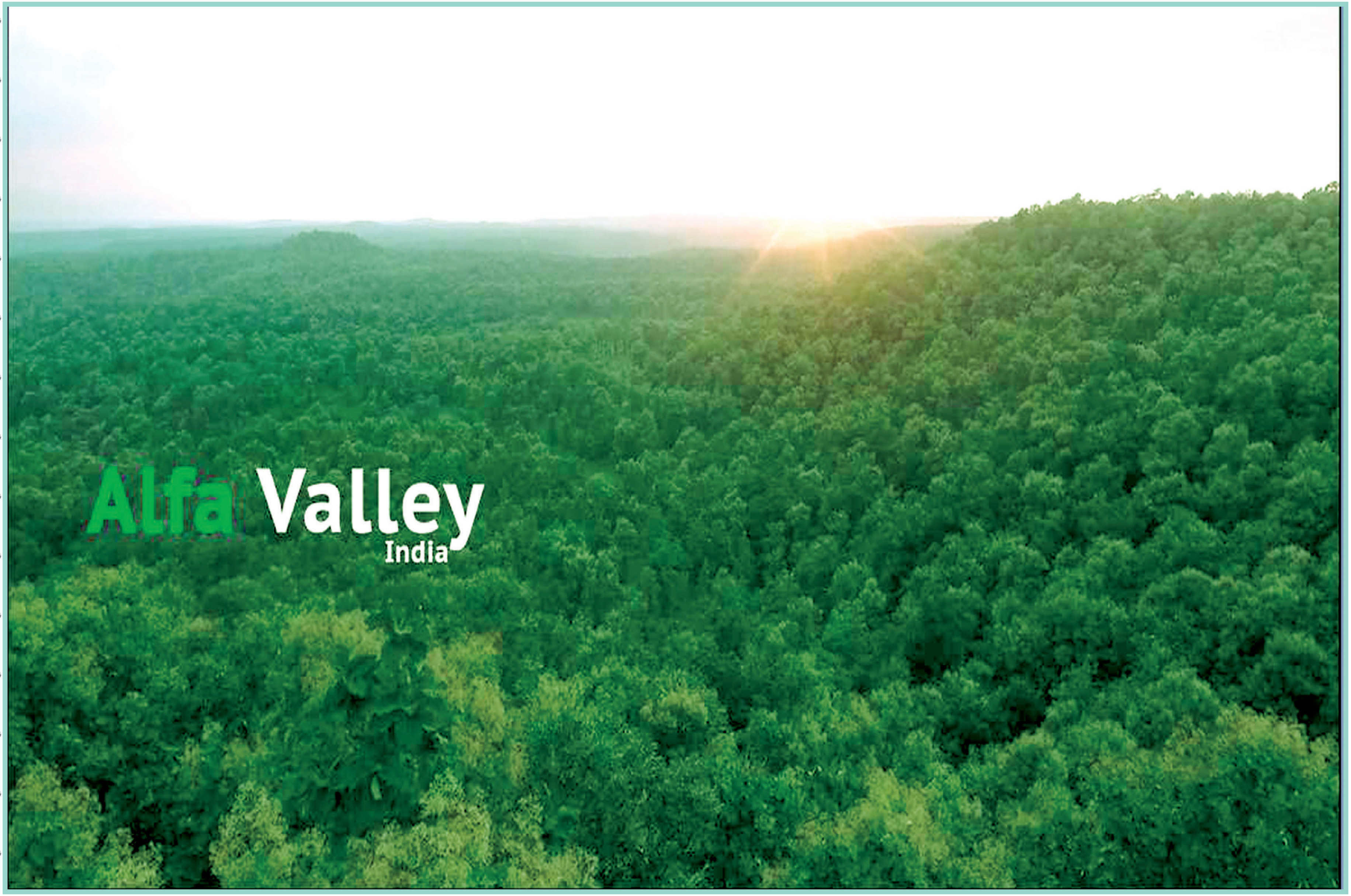

Alfa Valley
India

मनोरंजन

गायन में भी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार मन्नारा

बालीवुड अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा अब गायन में भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। मन्नारा चोपड़ा जल्द ही मशहूर गीत 'अजीब दास्तान है ये' को अपनी आवाज में पेश करेंगी। इस खास प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने न सिर्फ गाने को अपनी आवाज दी है, बल्कि इसके म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्सों का निर्देशन भी किया है। यह वीडियो न्यूयॉर्क शहर की खूबसूरत पृष्ठभूमि में शूट किया गया है, जिसमें पुरानी दुनिया के संगीत का आकर्षण भी समाहित होगा। मन्नारा ने अपने इस नए कदम को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, संगीत हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें क्लासिक्स के प्रति मेरे प्यार को मेरे खुद के कलात्मक दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया है। मैं चाहती थी कि कुछ ऐसा बनाऊं जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ सार्वभौमिक भी हो। मुझे उम्मीद है कि लोग इस गाने को उसी तरह महसूस करेंगे, जैसे मैं इसे महसूस करती हूं। मूल रूप से यह गाना 1960 की सुपरहिट फिल्म दिल अपना और प्रीत पराई का हिस्सा था, जिसमें मीना कुमारी, राजकुमार और नादिरा जैसे कलाकार थे। लता मंगेशकर द्वारा गाए गए इस गाने को आज भी क्लासिक म्यूजिक लवर्स पसंद करते हैं। इस गीत के लिए मन्नारा ने विशेष रूप से अपनी आवाज को निखारने के लिए ट्रेनिंग ली और इसे अपने अंदाज में गाने की कोशिश की है।

मजेदार पाव भाजी चैलेंज लिया अर्चना पूरन ने

हाल ही में एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह ने अपने परिवार संग एक मजेदार पाव भाजी चैलेंज लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अर्चना इन दिनों अपने परिवार के साथ मस्ती भरे पलों का आनंद ले रही हैं। इस व्लॉग में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया अर्चना के बेटे आर्यमान की एक्टिंग ने, जिसने वेटर की भूमिका निभाकर सभी को चौंका दिया। जब परिवार रेस्टोरेंट पहुंचा और ऑर्डर देने की बारी आई, तो आर्यमान ने वेटर बनकर मेन्यू पढ़ना शुरू कर दिया। टी-शर्ट और स्लिंग बैग पहने हुए उनकी यह एक्टिंग इतनी शानदार थी कि उनके परिवार के साथ-साथ इंटरनेट पर भी इसे खूब पसंद किया गया। कई यूजर्स ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वह नेपो किड्स से कहीं बेहतर हैं और उनके पास जबरदस्त सेंस ऑफ ह्यूमर है। एक यूजर ने लिखा, उसके पास बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग है, जो उसे अपनी मां से मिली है। वहीं, एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, आर्यमान के उच्चारण और एक्टिंग में एक अलग ही अंदाज है, वह एक दिन बड़े पर्दे पर कमाल करेंगे। कुछ लोगों ने उन्हें अगला 'बाबू भैया' तक कह दिया। आर्यमान सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि सिंगिंग में भी रुचि रखते हैं। उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल से पता चलता है कि वह सिंगर बनना चाहते हैं। उन्होंने 13 जनवरी को अपना पहला सिंगल समा रिलीज किया था। इसके बाद उनके गाने बंजारा और फॉर यू भी आए, जिन्हें काफी पसंद किया गया। उनका हालिया वीडियो छोटी बातें उनके भाई द्वारा डायरेक्ट किया गया था। वहीं, अगर अर्चना पूरन सिंह की बात करें, तो उनकी हालिया फिल्म नादानियां रिलीज हुई थी, जिसमें वह नजर आई थीं।

ज्यादा मत उड़ को लेकर सुर्खियों में हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज ज्यादा मत उड़ को लेकर अभिनेत्री हेली शाह सुर्खियों में हैं। इस शो को दर्शकों और समीक्षकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। हेली शाह ने इस शो में काजल का किरदार निभाया है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी युवती है। उनका यह किरदार उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण है। हेली शाह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह हमेशा ऐसी भूमिकाओं की तलाश में रहती हैं, जो उन्हें अभिनय के नए पहलुओं को तलाशने का मौका दें। उन्होंने कहा, एक साथ कई कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना, जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। हेली शाह ने अपने करियर की शुरुआत बहुत छोटी उम्र में की थी। उन्होंने पहली बार टेलीविजन पर 2010 में शो गुलाल के जरिए कदम रखा। इसके बाद वह दीया और बाती हम, अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू, खेलती है जिंदगी आंख मिचौली, खुशियों की गुल्लक आशी जैसे कई सीरियल्स में नजर आईं। हेली को असली पहचान स्वरागिनी में स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाने से मिली, जिसने उन्हें हर घर में लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद उन्होंने देवांशी, सूफियाना प्यार मेरा, ये रिश्ते हैं प्यार के और इश्क में मरजावां 2 जैसे कई सफल शोज़ में अपने अभिनय का जादू बिखेरा। उन्होंने झलक दिखला जा 9 में डांस का भी जलवा दिखाया। अब 'ज्यादा मत उड़' के जरिए हेली शाह एक बार फिर से नए अवतार में नजर आ रही हैं। उनकी इस वेब सीरीज को काफी पसंद किया जा रहा है और दर्शक उनके नए अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। हेली का मानना है कि यह शो उनके करियर के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है।

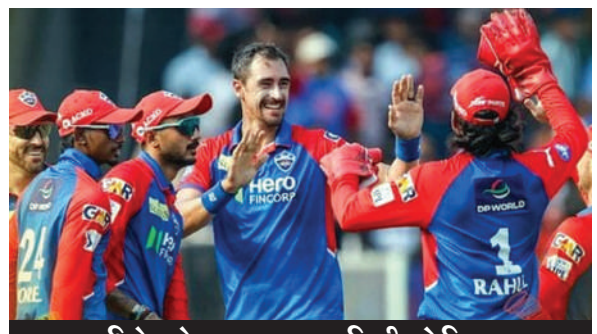

शूटिंगः शशांक और पूजा ने 50 मीटर प्रोन पोजिशन में यूपी को दिलाया स्वर्ण

वाराणसी ■

मध्य प्रदेश के इंदौर में खेली गई अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग चैंपियनशिप में काशी के दो शूटरों ने स्वर्णिम निशाना लगाया है। पुरुष वर्ग में शशांक त्रिपाठी और महिला वर्ग में और पूजा वर्मा ने स्वर्ण पदक जीता है। 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता 24 से 29 मार्च तक हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने 14 पदक जीते। शशांक ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजिशन में 600 में से 593 अंक प्राप्त कर यूपी को स्वर्ण दिलाया। काशी की पूजा वर्मा ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजीशन टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) इंदौर मध्य प्रदेश में सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपंस एंड टैक्टिक्स (सीइसडब्लूटी) के रेवती शूटिंग रेंज में मुकाबले हुए। 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी में शशांक ने यूपी पुलिस का प्रतिनिधित्व कर पदक जीता था। सिगरा निवासी और प्रयागराज में तैनात आरक्षी शशांक त्रिपाठी कुशल खिलाड़ी हैं। वे कैंटोनमेंट के शूटिंग रेंज पर रोज पांच घंटे अभ्यास करते हैं।

निशानेबाजी के लिए पूजा सिखाती थी स्कूटी

निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पूजा वर्मा ने काफी संघर्ष के बाद मुकाम हासिल किया है। पूजा ने निशानेबाजी सीखने के लिए महिलाओं को स्कूटी सिखाने के अलावा समारोहों में महिलाओं को मेहंदी लगाती थीं। माता-पिता भेलूपुर में माले की दुकान लगाते थे। फिलहाल पूजा वर्मा प्रयागराज पुलिस लाइन में तैनात हैं।

बालिका रग्बी में बनारस की टीम चैंपियन

वाराणसी की बालिका रग्बी फुटबॉल टीम ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन कर मेजबान लखनऊ को 20-0 अंक से पराजित कर यूपी स्टेट अंडर 12 रग्बी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। लखनऊ विश्विद्यालय के शिवाजी ग्राउंड में रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के मुकाबले में वाराणसी की रोशनी राजभर, सृष्टि पटेल, प्रियांशी सिंह और खुशी पटेल की चौकड़ी ने लखनऊ की डिफेंस लाइन को बहुत परेशान किया। चारों ने एक एक ट्राई लगाया। एक ट्राई पांच अंक के बराबर होता है। बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, परमानंदपुर डॉक्टर आशा सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं।

वाराणसी की गौरी ने जीता सिल्वर- हैदराबाद में 26 से 29 मार्च तक केआईओ नेशनल कराटे चैंपियनशिप में मानव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स की गौरी पाठक ने सिल्वर मेडल जीतकर वाराणसी का मान बढ़ाया है। कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव क्योशी जसपाल सिंह ने गौरी पाठक को मेडल दिया। गौरी का चयन 55 किलो भार वर्ग में इंडिविजुअल कुमिते में हुआ था। गौरी सीआरपीएफ में सेवाएं दे रही हैं। सीनियर प्रशिक्षक सेंसेई ज्योति सिंह ने बाया कि उपलब्धि पर मानव अकादमी के अध्यक्ष भिक्षु चंदिमा थेरो, महासचिव सेंसेई किसलय मानव, श्वेत प्रकाश यादव, निकेता श्रीवास्तव, डॉ. बृजेश ने बधाई दी है।

स्कूली खेलों के 48 पदक विजेताओं का सम्मान

68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता के 48 पदक विजेता बालक-बालिका वर्ग के खिलाड़ियों का सम्मान शनिवार को रामनगर के पीएन कॉलेज में हुआ। अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक अवध किशोर सिंह ने की। स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया की प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए वाराणसी के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक हॉकी और कुराश में जीते। सबसे अधिक पदक विकास इंटर कॉलेज के नाम रहा। व्यायाम शिक्षक राजेश मौर्या ने बताया कि कॉलेज के खिलाड़ियों ने 17 पदक जीते।

बैडमिंटन में निखिल जीते

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से चार दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव लिब फेस्ट का समापन शनिवार को हुआ। बैडमिंटन के पुरुष एकल में निखिल ने 23-25 से मुकाबला जीत लिया। पुरुष युगल में सतेंद्र कुमार वर्मा और शिवम की जोड़ी ने एमलिब द्वितीय वर्ष की टीम को 21-11, 19-21, और 21-12 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। महिला एकल में चित्रा ने लवीना को 15-17 से हराकर खिताब जीता। शतरंज में एमलिब प्रथम वर्ष के आदित्य भट्टाचार्य और स्कॉलर ग्रुप के श्रवण के बीच मुकाबला हुआ। आदित्य भट्टाचार्य ने बाजी मारी। वहीं, पीएनयू क्लब में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया वाराणसी शाखा की ओर से बैडमिंटन खेला गया। पुरुष वर्ग के एकल और युगल में आशुतोष पोद्दार को दोहरी सफलता मिली।

आईपीएल में दिल्ली की लगातार दूसरी जीतः हैदराबाद को 7 विकेट से हराया, स्टार्क ने झटके 5 विकेट

विशाखापट्टनम ■

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-2025 में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने रविवार के पहले मुकाबले में हैदराबाद को 7 विकेट से हराया। विशाखापट्टनम में दिल्ली ने 164 रन का टारगेट 16 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर फाफ डु प्लेसिस ने 50 रन की पारी खेली।

जैक फेजर मैगर्क ने 38 रन का योगदान दिया। दोनों ने 81 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। केएल राहुल ने 15 रन बनाए। अभिषेक पोरेल 34 और ट्रिस्टन स्टब्स 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। जीशान अंसारी ने 3 विकेट झटके। टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी हैदराबाद 18.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई। अनिकेत वर्मा ने 41 बॉल पर 6 छक्कों के सहारे 74 रन बनाए। मिचेल स्टार्क ने 5 विकेट झटके। कुलदीप यादव को 3 विकेट मिले।

अभिषेक ने छक्का लगाकर दिल्ली को जिताया

दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट की जीत हासिल कर ली है। 16वें ओवर की आखिरी बॉल पर अभिषेक पोरेल ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वे 34 रन बनाकर नाबाद लौटे। यह दिल्ली की लगातार दूसरी जीत है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), जैक फ्रेजर-मैगर्क, केएल राहुल, फाफ डु प्लेसिस, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा और मुकेश कुमार।इम्पैक्ट प्लेयरः आशुतोष शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल और मोहम्मद शमी।इम्पैक्ट प्लेयरः वियान मुल्डर।

सिंह ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली ■

भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था।

बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह शनिवार को अमेरिका में द टेन प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहे।'' उत्तर प्रदेश के रहने वाले गुलवीर ने पिछले साल 13 मिनट 11.82 सेकेंड के साथ 5000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा अक्टूबर-नवंबर में

नई दिल्ली ■

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान भारत मेजबान टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा। अनोखी बात ये है कि भारत के ये 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के 8 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। दरअसल, रविवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 सीजन में खेले जाने वाले ऑस्ट्रेलिया के सभी इंटरनेशनल मैचों का शेड्यूल जारी किया। इसके तहत पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने सभी 6 राज्यों और 2 यूनियन

टेरेटरी में इंटरनेशनल मैच खेलेगी। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड भी इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेंगे।

वनडे में 152 बार भिड़े भारत-ऑस्ट्रेलिया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 152 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 58 मैच जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 84 बार जीत दर्ज की। वहीं 10 मुकाबले बिना नतीजे के समाप्त हुए। वहीं दोनों टीमों ने 32 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें से 11 ऑस्ट्रेलिया ने और 21 भारत ने जीते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पिछली टेस्ट सीरीज हार चुका है भारत

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल ही टेस्ट सीरीज भी खेली थी। नंवबर में शुरू हुई 5 टेस्ट की सीरीज टीम इंडिया ने 3-1 से गंवा दी थी। भारत ने जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में 1 मैच जीता था, लेकिन टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में 2 मैच हार गई। बुमराह की कप्तानी में टीम ने आखिरी मुकाबला भी गंवाया था।

रामनवमी के कारण 6 को नहीं 8 अप्रैल को होगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच 6 अप्रैल को ईडन गार्डंस पर होने वाले मैच के दिन में बदलाव किया है। बीसीसीआई ने छह अप्रैल को रामनवमी होने के कारण मैच को 8 अप्रैल को कराने का फैसला किया है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने कहा, बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) से मैच के कार्यक्रम में बदलाव का अनुरोध किया था क्योंकि त्यौहार के कारण शहर भर में पुलिस की भारी तैनाती होगी। अधिकारियों ने यह मैच आठ अप्रैल को 3.30 से कराने का अनुरोध किया था जिसे मान लिया गया है। अब आठ अप्रैल को दो मैच होने है।

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com